

वार्षिक प्रतिवेदन

2018-19



कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

बारों रोड, बोरखेड़ा, कोटा- 324001 (राजस्थान)



अनुक्रमणिका

क्र.स.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	प्राक्कथन	1
2	सारांश	2-3
3	कृषि विश्वविद्यालय - एक परिदृश्य	4-18
	विशिष्ट गतिविधियां व उपलब्धियां	
4	शैक्षणिक	19-27
5	अनुसंधान	27-31
6	प्रसार शिक्षा	31-48
7	निदेशक प्राथमिकता, मॉनिटरिंग व मूल्यांकन	48
8	परीक्षा नियंत्रक	48
9	सम्पदा कार्यालय	48-49
10	मानव संसाधन	50
11	वित्त एवं लेखा	50
12	बीज उत्पादन	51
13	पुरस्कार/सम्मान	52
14	प्रकाशन	52-53
15	आकाशवाणी/दूरदर्शन कार्यक्रम	53
16	प्रतिष्ठित व्यक्तियों का विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों में भ्रमण	53-54
17	शोध पत्र एवं लेख	54-60
18	सेमिनार, कार्यशाला, प्रशिक्षण में सहभागिता	61-64
19	सफलता की कहानी	64-68
20	परिशिष्ट (I-VI)	69-71



उद्घरण

वार्षिक प्रतिवेदन 2018-19 कृषि विश्वविद्यालय, कोटा
बारों रोड, बोरखेड़ा, कोटा- 324001 (राजस्थान)

संरक्षक

प्रो. जी.एल. केशवा
कुलपति

संपादक

डॉ. ममता तिवारी
निदेशक, प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन

तकनीकी सहयोग

डॉ. के.एम. गौतम
निदेशक, प्रसार शिक्षा

डॉ. प्रताप सिंह
निदेशक, अनुसंधान

डॉ. आई. बी. मोर्या
अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं
वानिकी महाविद्यालय
झालावाड़

डॉ. एम.सी.जैन
अधिष्ठाता
कृषि महाविद्यालय, कोटा

डॉ. एल.के.दशोरा
आई.सी.ए.आर, एमीरेटस
प्रोफेसर

सह सम्पादक

डॉ. मुकेश गोयल
आचार्य, प्रसार शिक्षा

डॉ. राम राज मीना
सहायक आचार्य, उद्यान विज्ञान

प्रकाशक

निदेशालय, प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन
कृषि विश्वविद्यालय, कोटा, बारों रोड, बोरखेड़ा, कोटा-324001 (राजस्थान)
ई-मेल: dpmeaukota2013@gmail.com, वेबसाईट [http: aukota.org](http://aukota.org)



प्राक्कथन

इस विश्वविद्यालय की स्थापना 14 सितम्बर 2013 को कृषि, पशुपालन व खाद्य प्रसंस्करण के संवांगीण विकास के उद्देश्य से की गई। उक्त समय से इस विश्वविद्यालय के अधीनस्थ उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़, 6 कृषि विज्ञान केन्द्र (कोटा, बून्दी, झालावाड़, करौली, सवाईमाधोपुर, बारां) व कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज-कोटा, कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, खानपुर एवं अकलेरा तथा यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज, कोटा हैं। वर्ष 2018 में राज्य सरकार ने कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, सुल्तानपुर भी विश्वविद्यालय को स्थानान्तरित किया है। कृषि विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा के महत्व को देखते हुए इस वर्ष कृषि महाविद्यालय, कोटा की स्थापना की गई, जिसका शुभारम्भ जुलाई 2018 से कर दिया गया है, जो प्रदेश के हाडौती क्षेत्र में कृषि शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। इस नवीन कृषि महाविद्यालय में चार वर्षीय कृषि स्नातक डिग्री के साथ ही छः विषयों में स्नातकोत्तर (सस्य विज्ञान, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन, उद्यानिकी, कीट विज्ञान, पौध व्याधि तथा अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन) साथ ही दो विषयों में विद्यावाचस्पति (सस्य विज्ञान तथा अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन) के पाठ्यक्रम आरम्भ कर दिए गये हैं। इस प्रकार कुल स्नातक में 60, स्नातकोत्तर में 26 तथा विद्यावाचस्पति में 05 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया है। विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षान्त समारोह 26 सितम्बर 2018 को सम्पन्न हुआ साथ ही विश्वविद्यालय का षष्ठम स्थापना दिवस भी 14 सितम्बर 2018 को मनाया गया। कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना गुणवत्तायुक्त शिक्षा कृषि से सम्बन्धित क्षेत्रों, अनुसंधान व प्रसार में क्षमताओं का सदुपयोग करने के प्रयोजन से की गई। जिसके अंतर्गत आधुनिक प्रयोगशाला उपकरण, कक्षा कक्षों का आधुनिकीकरण, नवीन प्रसंस्करण तकनीक, फार्म मॉडर्नाइजेशन तथा उच्च कोटि बीज उत्पादन पर निवेश किया गया। विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय बीज परियोजना व विभिन्न केन्द्रों द्वारा गत वर्ष अविरल प्रजनक, प्रमाणित एवं सत्य चिन्हित करीब 15520 क्वि. बीज पैदा कर बीज उत्पादन संस्थाओं व किसानों को उपलब्ध करवाया गया है। विश्वविद्यालय के बीज तंत्र को अधिक मजबूत बनाने हेतु नवीन दलहन बीज हब की स्थापना की गई। इस वर्ष 72 से अधिक कृषि विश्वविद्यालयों की भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा समीक्षा के आधार पर हमारे विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर 39 वाँ, वर्ष 2013 के बाद स्थापित विश्वविद्यालयों में प्रथम तथा प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ।

विश्वविद्यालय स्तर पर चल रही अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों को प्रभावशाली तरीके से किसानों तक पहुंचाने के लिए गांव गोद, "स्मार्ट विलेज योजना" आदि के माध्यम से नई तकनीकों को कृषकों तक पहुंचाया जा रहा है। कृषि उत्पादकता बढ़ाने के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। इस संदर्भ में अनुसंधान परिषद, प्रसार शिक्षा परिषद, वरिष्ठ अधिकारी परिषद की बैठकें सफलतापूर्वक प्रगति की समीक्षा और भविष्य के कार्यक्रमों को कारगर बनाने के लिए आयोजित की गई। युवाओं के लिए आजीविका संवर्धन हेतु कौशल उन्नयन गतिविधियां प्रशंसनीय है। अब तक लगभग 190 युवाओं द्वारा यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वयं के व्यवसाय स्थापित किये गये। स्मार्ट विलेज में विभिन्न गतिविधियों का संचालन ग्राम विकास के लिए किया गया।

शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार में निरन्तर प्रगति बनाये रखने के लिए हमारे सभी निदेशक, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी एवं स्टाफ प्रतिबद्ध है। इस कार्य हेतु मैं इन सभी की प्रशंसा करते हुये धन्यवाद प्रेषित करता हूँ।

मैं इस वार्षिक प्रतिवेदन 2018-19 के संकलन के लिए डॉ. ममता तिवारी, निदेशक (प्राथमिकता, निगरानी व मूल्यांकन) एवं सम्पादक मंडल को बधाई देता हूँ।

नवम्बर 30, 2018

(प्रो. जी.एल. केशवा)
कुलपति

सारांश

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने वर्ष 2018-19 में शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां अर्जित की है। इस वर्ष प्रबंध मंडल की सप्तम बैठक दिनांक 25 अप्रैल, 2018 अष्टम बैठक दिनांक 25 जून, 2018 व नवम बैठक दिनांक 25 सितम्बर, 2018 को तथा अकादमिक परिषद की दसवीं बैठक दिनांक 8 जून, 2018 एवं ग्याहरवीं बैठक दिनांक 22 सितम्बर, 2018 को आयोजित की गई साथ ही विश्वविद्यालय का षष्ठम स्थापना दिवस 14 सितम्बर, 2018 को मनाया गया।

वर्ष के दौरान शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार के क्षेत्र में कई मुद्दों पर पहल की गई तथा गुणवत्ता में सुधार किया गया। ग्रामीण विकास कृषि कार्यानुभव (RAWA) द्वारा छात्रों को व्यवसायिक अनुभवात्मक तथा स्वयं अभ्यास प्रशिक्षण दिया जा रहा है जो उनके स्थानापन्न में उपयोगी साबित हुआ है। विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान तथा प्रसार कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक सम्पादित किया गया। सत्र 2018-19 में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर सम्मेलनों/सेमिनार में वैज्ञानिकों की भागीदारी के साथ-साथ विभिन्न खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। विश्वविद्यालय में कुल 465 पद स्वीकृत हैं जिनमें आयोजना में 284 व आयोजना भिन्न में 181 पद हैं। वर्ष 2018 में 54 शैक्षणिक व 44 अशैक्षणिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करने के पश्चात इन पदों में 127 आयोजना व 52 आयोजना भिन्न सहित कुल 179 पद रिक्त हैं। विश्वविद्यालय द्वारा इस वर्ष 72 शोध पत्र, 2 पुस्तकें, 5 तकनीकी बुलेटिनों, 21 फोल्डर के प्रकाशन के साथ साथ संकाय के 46 सदस्यों ने सेमिनार/सम्मेलनों/बैठकों आदि में भाग लिया।

❖ उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ द्वारा स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी व स्नातक (ऑनर्स) वानिकी व स्नातकोत्तर उद्यानिकी एवं वानिकी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसमें कुल 401 छात्र अध्ययनरत हैं। वर्ष 2017-18 में उद्यानिकी एवं वानिकी स्नातक में 49 छात्र व स्नातकोत्तर में 9 छात्र उत्तीर्ण हुए। स्नातक (ऑनर्स) वानिकी में प्रवेश के लिए 30 सीटों से बढ़ाकर 60 की गई साथ ही वानिकी स्नातकोत्तर के चारों विषयों (वन संवर्धन एवं कृषि वानिकी, वन उत्पाद एवं उपयोग, वन जैविकी एवं वृक्ष सुधार तथा वन्य जीव विज्ञान) में नये पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये। उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के अंतर्गत स्नातक स्तर के समस्त पाठ्यक्रमों का भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा गठित 5 वीं अधिष्ठाता समिति एवं क्षेत्रीय परिदृश्य के अनुसार समरूपीकरण बदलाव कर लागू किया गया है। स्मार्ट इंटरएक्टिव बोर्ड और पावर प्वाइंट प्रस्तुति का उपयोग अध्यापन हेतु किया जाता है। वार्षिक उत्सव 'स्पन्दन' का सफल आयोजन किया गया। कक्षाओं में व्याख्यान कार्यक्रम के अनुसार आयोजित हो रहे हैं तथा इन्हें विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाता है। महाविद्यालय द्वारा 2-3 दिन की पांच कायशालाएं/सम्मेलन आयोजित किए गए। ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के तहत छात्रों को नेचर एंड ओर्गेनिक फूड प्राइवेट लिमिटेड, श्री गंगानगर, एगरो इंडिया गम्स प्राइवेट लिमिटेड, जोधपुर, गंगा स्पिंकलर पाइप लिमिटेड जैतपुरा, चौमु, जयपुर, धन्वन्तरी नर्सरी, झालारापाटन, झालावाड़, भारतीय ग्रामीण विकास संस्थान, झालावाड़, वासुदेव एंटरप्राइजेज, गर्दनखरी, पिडावा, झालावाड़, निरोगधाम आँवला उद्योग, बाराँ एवं नींबू वर्गीय फल उत्कृष्टता केन्द्र, झालावाड़ तथा वानिकी छात्रों को मुकुंदरा राष्ट्रीय पार्क, कोटा, सरिस्का बाघ परियोजना, अलवर एवं वन विभाग, वन्य जीव कार्यालय, उदयपुर एवं जिला उद्योग केंद्र एवं राजस्थान पर्यटन विभाग, झालावाड़ में 28 दिनों के लिए स्थान्तरित किया गया।

❖ कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा

नवीन कृषि महाविद्यालय में चार वर्षीय कृषि स्नातक डिग्री के साथ ही छः विषयों में स्नातकोत्तर (शस्य विज्ञान, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन, उद्यानिकी, कीट विज्ञान, पौध व्याधि तथा अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन) साथ ही दो विषयों में विद्यावाचस्पति (शस्य विज्ञान तथा अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन) के पाठ्यक्रम आरम्भ कर दिए गये हैं। इस प्रकार कुल स्नातक में 60, स्नातकोत्तर में 26 तथा विद्यावाचस्पति में 05 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया है। कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा में वर्ष 2018-19 में कुल पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या 88 रही। स्नातक कृषि में 59, स्नातकोत्तर कृषि में 24 व विद्यावाचस्पति कृषि में 5 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया।

❖ अनुसंधान निदेशालय

अनुसंधान निदेशालय के अधिकार क्षेत्र में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान की 14 परियोजनाएँ, भारत सरकार एवं निजी संस्थाओं द्वारा वित्त पोषित 5 परियोजनाएँ शामिल हैं। क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति की बैठक कोटा में 10-11 सितम्बर को आयोजित की गई। वर्ष 2018-19 में मसूर की कोटा मसूर-1 एवं 2, सोयाबीन की कोटा सोया-1, राजमा की कोटा-राजमेश-1 एवं उड़द की मुकुन्दरा उड़द-2 विकसित की गयी।

❖ प्रसार शिक्षा निदेशालय

कृषक समुदाय में, कृषि प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी का प्रचार करने हेतु विभिन्न फसल प्रदर्शन, प्रक्षेत्र अनुसंधान परीक्षण, प्रशिक्षण, प्रसार कार्यक्रम, संचार और सलाहकार सेवाएँ प्रदान करता है।

कृषि विज्ञान केन्द्रों का प्रतिवेदन एवं आगामी वार्षिक कार्ययोजना वैज्ञानिक सलाहकार समिति सदस्यों के सहयोग से तैयार की गई। कृषि विज्ञान केन्द्रों के कार्यों को बढ़ाने हेतु इन बैठकों में कई निर्णय लिए गये। विश्वविद्यालय द्वारा स्मार्ट गांव के लिए चछलाव (झालावाड़) व चौमाकोट (कोटा) जिले में चयनित कर कृषक व अन्य परिवारों की आर्थिक और आजीविका सुरक्षा के लिए विभिन्न गतिविधियों की पहल प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा की गई। 'स्मार्ट विलेज इनिशियटिव' के अन्तर्गत राज भवन के निर्देशानुसार नये गांव 'आंवा' पंचायत समिति सांगोद, कोटा का चयन किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्रों ने 102 संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें 3201 कृषक एवं कृषक महिलाओं को लाभ हुआ। 178 विशेष प्रशिक्षणों द्वारा 3945 ग्रामीण युवाओं, 15 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के लिए तथा 17 व्यवसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ग्रामीण युवाओं के लिए, 184 असंस्थागत प्रशिक्षण से कुल 6975 कृषक एवं महिलाएँ लाभान्वित हुईं। कृषि विज्ञान केन्द्रों ने दलहन, तिलहन एवं अन्य फसलों के 5809 प्रथम पंक्ति प्रदर्शन 1911.4 हेक्टर क्षेत्र में कृषको के खेतों पर लगाये। कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा 5 परीक्षण प्रदर्शन खेतों पर लगाये। रिपोर्ट अवधि के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्रों पर 2 किसान मेलों में लगभग 16000, 6 प्रक्षेत्र दिवस में 2850, 9 प्रदर्शनियाँ (लगभग 23626 से अधिक लाभार्थी), 269 बार वैज्ञानिकों ने किसानों के खेतों का दौरा किया (2356 लाभार्थी)। कृषि विज्ञान केन्द्रों पर 2123 किसानों के भ्रमण (4545 लाभार्थी), इस वर्ष कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा 17 कौशल उन्नयन प्रशिक्षण में 21 दिवसीय सिलाई, 30 दिवसीय एवं 15 दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन, ग्रीन/पॉली हाऊस निर्माण मधुमक्खी पालन, गार्डनर एवं पशुपालन पर युवाओं को प्रशिक्षण दिये गये।

❖ निदेशालय प्राथमिकता, निगरानी व मूल्यांकन

प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन निदेशालय द्वारा वर्ष 2018-19 में आवश्यकता आधारित नये कार्यक्रमों की योजना का प्रारूप तैयार करने के साथ, योजनाओं की क्रियान्विति में सुधार तथा बजट की समीक्षा हेतु आवश्यक चर्चा एवं निर्देशों के लिए विश्वविद्यालय की वरिष्ठ अधिकारी परिषद (SOC) की बैठक की गई। विश्वविद्यालय वार्षिक प्रतिवेदन एवं अर्द्धवार्षिक विश्वविद्यालय समाचार पत्र, सोवेनियर 2018 एवं अन्य प्रकाशन तैयार कर मुद्रित कराये हैं।

❖ परीक्षा नियंत्रक

इस वर्ष विद्यार्थियों के पंजीयन, माईग्रेसन, परीक्षा का संचालन, परिणामों की घोषणा एवं विश्वविद्यालयों के सभी छात्रों की उपाधियाँ व अन्य कार्य निर्धारित समय पर संपादित किये। इस वर्ष द्वितीय दीक्षान्त समारोह में 178 विद्यार्थियों ने उपाधि प्राप्त की।

❖ सम्पदा कार्यालय

इस विश्वविद्यालय के भू-सम्पत्ति कार्यालय द्वारा कई निर्माणाधीन कार्य पूरे हुये हैं एवं कुछ कार्य प्रगति पर हैं जिसमें से विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन एवं कुलपति आवास का निर्माण कार्य चल रहा है। इस भवन का निर्माण राजस्थान राज्य सड़क एवं विकास निर्माण निगम, कोटा द्वारा किया जा रहा है।

1. कृषि विश्वविद्यालय - एक परिदृश्य

1.1 स्थापना एवं कार्यक्षेत्र

राजस्थान में कोटा संभाग कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान रखता है। स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर एवं महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर से विघटित होकर राजस्थान सरकार के अधिनियम संख्या 22, 2013 द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की स्थापना 14 सितम्बर, 2013 को दक्षिणी-पूर्वी एवं पूर्वी राजस्थान के वर्षा आधारित एवं नहरी सिंचाई कृषि परिस्थितिक स्थितियों में चहुमुखी कृषि विकास करने हेतु की गई। कृषि विश्वविद्यालय, कोटा राजस्थान के दक्षिणी-पूर्वी खण्ड में कोटा शहर के पास बोरखेड़ा में राष्ट्रीय राजमार्ग (कोटा-बारां) पर स्थित है। इस खण्ड का भौगोलिक क्षेत्रफल 34.37 लाख हैक्टेयर है तथा प्रदेश में इसका 9.98 प्रतिशत हिस्सा है। इस विश्वविद्यालय का कार्य क्षेत्र छः जिलों कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़, करौली व सवाईमाधोपुर तक फैला हुआ है। जिला कोटा, बूंदी, बारां व झालावाड़ राजस्थान जलवायु खण्ड V (आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदानी क्षेत्र) के अंतर्गत आते हैं, जबकि सवाईमाधोपुर व करौली जिले राजस्थान जलवायु खण्ड III ब (बाढ़ प्रभावित पूर्वी-मैदानी क्षेत्र) के अंतर्गत आते हैं। ये क्षेत्र $23^{\circ} 45'$ एवं $26^{\circ} 38'$ उत्तरी देशान्तर व $75^{\circ} 37'$ एवं $77^{\circ} 26'$ पूर्वी अक्षांश के मध्य तथा समुद्र से औसतन 275 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यहाँ की वर्षा 732-1005 मिमी है व मुख्य सिंचाई चंबल, काली सिंध, परवन आदि नदियों की नहरों व नलकूपों व कुओं से की जाती है। विश्वविद्यालय के अधिकांशतः क्षेत्रों की मिट्टी दोमट से लेकर चिकनी प्रकार की है जो कि जलोढ़ व गहरी काली मिट्टी के नाम से वर्गीकृत की गई हैं। कृषि विश्वविद्यालय के कार्य क्षेत्र में प्रदेश की जनसंख्या का 12.67 प्रतिशत व पशुधन 9.4 प्रतिशत है तथा कुल वनक्षेत्र 31.59 प्रतिशत है।



1.2 लक्ष्य, उद्देश्य, मिशन एवं विजन

विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य किसानों की मौजूदा एवं दीर्घकालिक समस्याओं का समाधान तथा कृषि तकनीकी ज्ञान के विकास कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए अनुप्रयुक्त अनुसंधान और प्रौद्योगिकी का प्रभावी हस्तांतरण करना है। इसी के साथ कृषि से जुड़े क्षेत्रों में सतत् उत्पादन वृद्धि हेतु नई एवं प्रभावी तकनीकी तथा मानव संसाधन का विकास करना है जिससे अधिक खाद्यान्न उत्पादन, पोषण सुरक्षा, आय वृद्धि एवं वातावरण सुरक्षा बनी रहे। कृषि के सतत् विकास के लिए अन्य विकास एजेंसियों के साथ भागीदारी मोड़ के माध्यम से कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा विशेष रूप से राजस्थान की ग्रामीण जनता के लिए आजीविका के संसाधनों को बढ़ाना है।

1.3 क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता

राज्य में विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत जलवायु खण्ड V व III ब की खरीफ की प्रमुख खरीफ फसलें सोयाबीन, धान, उड़द, मक्का, बाजरा एवं तिल हैं जिसका राज्य के कुल उत्पादन में क्रमशः 63.87, 57.57, 68.00, 16.79, 9.95 एवं 26.41 प्रतिशत हिस्सा है। इसी प्रकार रबी में गेहूँ, सरसों, चना, अलसी एवं मसूर हैं, जिनका राज्य की पैदावार में क्रमशः 22.73, 16.95, 24.43, 23.31 एवं 46.46 प्रतिशत हिस्सा है। इसी तरह मसाला फसलों में धनिया, लहसुन एवं मेथी में राज्य की पैदावार में क्रमशः 96.60, 81.34 एवं 11.86 प्रतिशत हिस्सा है तथा आलू, प्याज एवं मटर में राज्य की पैदावार में क्रमशः 1.21, 1.48 एवं 7.32 प्रतिशत हिस्सा है।

मुख्य फसलों का क्षेत्रफल, उत्पादन और उत्पादकता एवं विश्वविद्यालय का राजस्थान के परिपेक्ष में प्रतिशत हिस्सा

क्र. सं.	फसल	विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत			राज्य			राज्य के परिपेक्ष में विश्वविद्यालय क्षेत्र का हिस्सा (प्रतिशत)	
		क्षेत्रफल (हैक्टेयर)	उत्पादन (टन)	उत्पादकता (किग्रा/है)	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)	उत्पादन (टन)	उत्पादकता (किग्रा/है)	क्षेत्रफल	उत्पादन
1	धान	93373	259637	2780	190641	450932	2365	48.97	57.57
2	बाजरा	195854	373325	1906	4236288	3751525	886	4.62	9.95
3	मक्का	93608	292227	3121	855895	1740310	2033	10.93	16.79
4	उड़द	512256	356071	695	839289	523609	624	61.03	68.00
5	तिल	43333	17929	413	251925	67864	269	17.20	26.41
6	सोयाबीन	513448	683365	1330	886487	1069830	1207	57.91	63.87
7	मूंगफली	5920	9545	1612	640571	1259125	1966	0.92	0.75
8	गेहूँ	624880	2547909	4077	3050235	11208087	3674	20.48	22.73
9	चना	270777	408096	1507	1572487	1670265	1062	17.21	24.43
10	सरसों	331954	576767	1737	2183046	3401126	1558	15.20	16.95
11	अलसी	1551	1175	757	4978	5039	1012	31.15	23.31
12	मसूर	13378	15730	1175	31346	33854	1080	42.67	46.46
13	धनिया	175042	199926	1142	181712	206960	1139	96.32	96.60
14	मैथी	12961	18739	1445	129712	157934	1218	9.99	11.86
15	लहसुन	90758	591803	6520	107976	727496	6738	84.05	81.34
16	आलू	541	4117	7609	15985	337991	21144	3.38	1.21
17	प्याज	2819	17001	6030	65674	1142468	17396	4.29	1.48
18	मटर	1251	3511	2806	17022	47906	2814	7.34	7.32

स्रोत: क्र.स. 1 से 12 IVth advanced estimates 2017-18 Commissionerate of Agriculture, Raj. Jaipur, क्र.सं- 13 से 18 Rajasthan Agricultural Statistics at a glance 2016-17

1.4 विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों में भूमि का विवरण

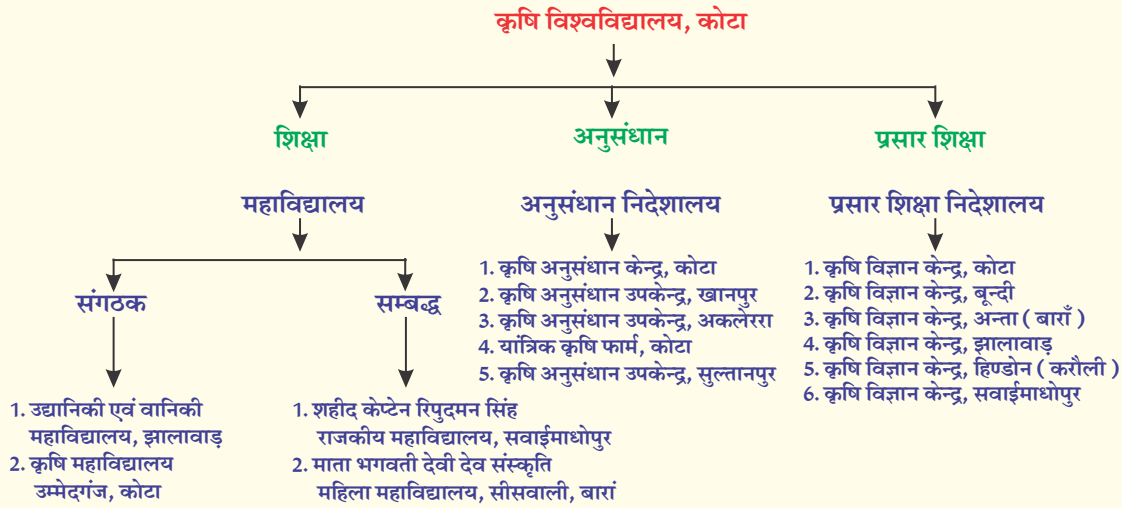
इकाई का नाम	कुल भूमि (हैक्टेयर में)
उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	135
प्रसार शिक्षा निदेशालय (06 कृषि विज्ञान केन्द्र)	151
अनुसंधान निदेशालय (कृषि अनुसंधान केन्द्र, उपकेन्द्र एवं यांत्रिक कृषि फार्म)	661
कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा	30
कुल	977

1.5 सूक्ष्म खेती परिस्थितियाँ

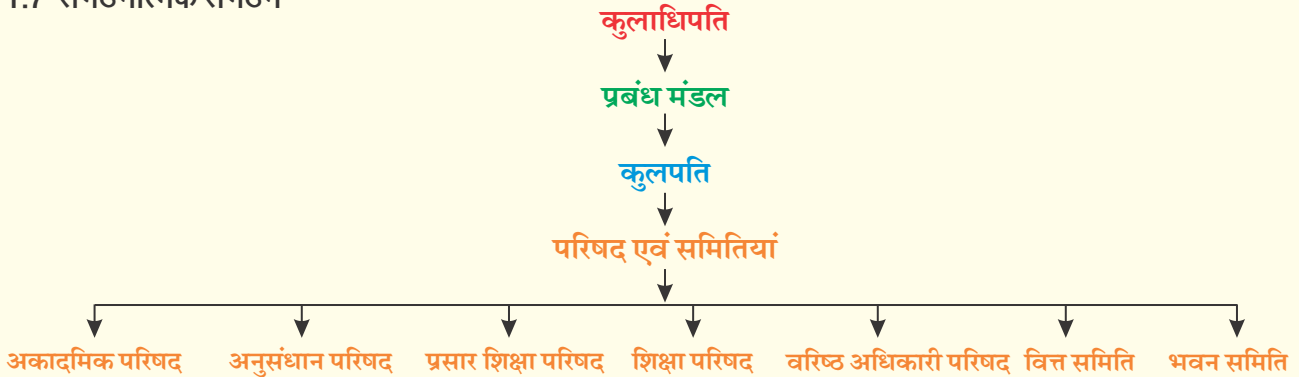
राजस्थान जलवायु खण्डों को खेती की परिस्थितियों जैसे वर्षा व मिट्टी के प्रकार आदि के आधार पर पुनः कई सूक्ष्म खेती परिस्थितियों में बांटा गया है, इस विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाली सूक्ष्म खेती परिस्थितियाँ निम्न है :

1. वर्षा आधारित, अधिक वर्षा, भारी कणाकार मृदायें
2. वर्षा आधारित, अधिक वर्षा, मध्यम कणाकार मृदायें
3. वर्षा आधारित, मध्यम वर्षा, भारी कणाकार मृदायें
4. वर्षा आधारित, मध्यम वर्षा, मध्यम कणाकार मृदायें
5. सिंचित, भारी कणाकार मृदायें, केलकेरियस
6. सिंचित, मध्यम कणाकार मृदायें, नान-केलकेरियस
7. वर्षा आधारित, मध्यम भारी, कणाकार मृदायें

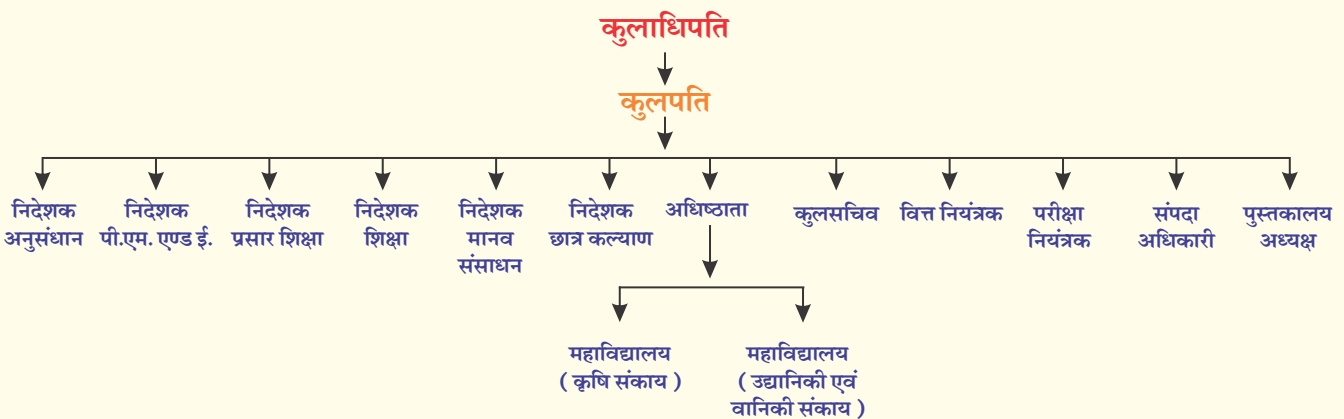
1.6 संस्थागत संगठन



1.7 संगठनात्मक संगठन



1.8 कार्यात्मक संगठन



1.9 कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का षष्ठम स्थापना दिवस

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का षष्ठम स्थापना दिवस 14 सितम्बर, 2018 को कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा पर मनाया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री जे.पी.सिंघल पूर्व कुलपति, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर थे। कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की स्थापना 14 सितम्बर, 2013 को राज्य सरकार द्वारा महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर एवं स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर से की गई। विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र के अन्दर कोटा सहित बून्दी, बांरा, सवाई माधोपुर, करौली, झालावाड़ जिले सम्मिलित हैं। प्रत्येक जिले पर विश्वविद्यालय का एक कृषि विज्ञान केन्द्र है एवं 2 संगठक महाविद्यालय, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ तथा कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा संचालित किये जा रहे हैं। कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा, यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज, कोटा, कृषि अनुसंधान उप-केन्द्र, खानुपर/अकलेरा/सुल्तानपुर भी कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के अधीन संचालित हैं। स्थापना दिवस पर डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान ने विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।



1.10 कृषि महाविद्यालय उम्मेदगंज, कोटा की स्थापना

कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज-कोटा का शुभारम्भ दिनांक 14, जुलाई, 2018 को कोटा-बून्दी सांसद श्री ओम बिरला द्वारा कोटा जिले के सभी विधायकों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. जी.एल. केशवा ने की। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा कृषि महाविद्यालय में प्रवेशित विद्यार्थियों को आशीर्वाचन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में पधारे हुए अतिथियों ने कुलपति एवं विश्वविद्यालय परिवार को हाड़ौती के प्रथम कृषि महाविद्यालय की शुरुआत करने के लिए शुभकामनाएं दी तथा भविष्य में महाविद्यालय के विकास के लिए सभी तरह से सहयोग करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में कोटा संभाग के प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानियों के लिए उनका सम्मान भी किया गया।



1.11 प्रबंध मंडल (BOM)

प्रबंध मंडल विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्रशासनिक निकाय के अध्यक्ष कुलपति और कुलसचिव पदेन सदस्य सचिव के साथ 13 अन्य सदस्य होते हैं। विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल नीतिगत निर्णय लेने और विश्वविद्यालय के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है। प्रबंधन मंडल की संरचना परिशिष्ट-I में दी गई है।

वर्ष 2018-19 में प्रबंध मंडल की तीन बैठकें सप्तम, अष्ठम एवं नवम् क्रमशः दिनांक 25 अप्रैल, 2018, 25 जून 2018 एवं 25 सितम्बर 2018 को सम्मानीय कुलपति, की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में निम्नलिखित प्रमुख निर्णय लिये गये।

- प्रबंध मंडल की बैठक में 10वीं शैक्षणिक परिषद की बैठक के अन्तर्गत लिए गए निर्णय के अनुसार उम्मेदगंज, कोटा में नए कृषि महाविद्यालय की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।



- वानिकी संकाय में स्नातक स्तर पर छात्रों की संख्या 30 सीटों से बढ़ाकर 60 की गई ।
- वानिकी विभाग में विभागवार स्नातकोत्तर कार्यक्रम भी प्रत्येक विभाग जैसे वन संवर्धन एवं कृषि वानिकी, वन्य जैविकी एवं वृक्ष सुधार, वन उत्पाद एवं उपयोग तथा वन्य जीव विज्ञान प्रत्येक में 5 सीटों की क्षमता का अनुमोदन किया गया ।
- चयन समिति की सिफारिश पर 1 आचार्य, 7 सह आचार्य, 32 सहायक आचार्य, और विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों में 14 विषय विशेषज्ञों की नियुक्तियों का प्रबंधन मण्डल बोर्ड ने अनुमोदित किया ।
- 8 सह आचार्य को तरक्की उन्नति योजना (सीएस) के तहत आचार्य में पदोन्नत का अनुमोदन किया गया ।
- वर्ष 2018-19 के लिए बजट की मंजूरी दी गई ।
- अकादमिक सत्र 2016-17 तक उत्तीर्ण विभिन्न संकाय के स्नातक उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा 31 दिसम्बर, 2017 तक उत्तीर्ण उद्यानिकी एवं वानिकी संकाय के स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को द्वितीय दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्रदान करने की अनुमति दी गई ।
- अकादमिक सत्र 2016-17 के लिये उद्यानिकी संकाय में विशाखा इन्दा, विज्ञान-स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी एवं कृषि संकाय में चौथमल शर्मा, विज्ञान-स्नातक (ऑनर्स) कृषि को स्वर्ण पदक तथा तीनों संकाय यथा स्नातक वानिकी, उद्यानिकी एवं कृषि संकाय में सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा विशाखा इन्दा को विज्ञान-स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी को कुलपति स्वर्ण पदक प्रदान करने व विज्ञान-निष्णात में सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा सुषमा पाटील, विज्ञान-निष्णात (उद्यानिकी) पुष्प एवं भू-दृष्य विज्ञान को द्वितीय दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्रदान करने का अनुमोदन किया गया ।
- पम्प ऑपरेटर, एग्रोमेट आब्जर्वर पदों पर एवं लिखित परीक्षा न कराकर साक्षात्कार एवं अन्य एकेडमिक तथा अनुभव के वेटेज की मैरिट के आधार पर चयन करने का अनुमोदन किया गया ।
- प्रयोगशाला उपस्थक व अन्य समान पदों जिनकी योग्यता 10वीं (सैकेण्डरी) उत्तीर्ण है एवं ग्रेड पे 1700/- व आवेदकों की संख्या (1:30) अधिक है का चयन साक्षात्कार के आधार पर न कर लिखित परीक्षा करवाकर, उसके प्राप्त अंकों की मेरिट के आधार पर किये जाने का अनुमोदन किया गया ।



1.12 शैक्षणिक परिषद (Academic Council)

विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद विश्वविद्यालय के संचालित विभिन्न पाठ्यक्रम, अन्य शैक्षणिक एवं अकादमिक गतिविधियों को नियंत्रित करता है। परीक्षा, शैक्षणिक कैलेंडर और शिक्षा के क्षेत्र में सुधारों के संचालन के लिए निर्देश प्रदान करता है तथा शिक्षा में गुणवत्ता सुधार के लिए उत्तरदायी है। शैक्षणिक परिषद की संरचना परिशिष्ट -II में दी गई है।

वर्ष 2018-19 में शैक्षणिक परिषद की 2 बैठकें दसवीं एवं ग्याहरवीं क्रमशः दिनांक 8 जून, 2018 एवं 22 सितम्बर, 2018 को विश्वविद्यालय सभागार में माननीय कुलपति, प्रो. जी.एल. केशवा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। दशम्



बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा गठित अधिष्ठाता कमेटी द्वारा प्रस्तुत उद्यानिकी, वानिकी एवं कृषि संकाय के स्नातक स्तर के संशोधित पाठ्यक्रम अकादमिक सत्र 2017-18 से लागू करने, शैक्षणिक संकाय के रिक्त पद जैसे सहायक आचार्य/विषय विशेषज्ञ, सहआचार्य व आचार्य को भरने के लिए स्कोर कार्ड, प्रोफॉर्मा एवं अन्य भर्ती प्रक्रियाओं का अनुमोदन किया गया। इसके साथ ही कैरियर एडवांसमेंट स्कीम में सहायक आचार्य से सहआचार्य, एवं सह आचार्य से आचार्य के प्रमोशन के लिए भी स्कोर कार्ड, प्रोफॉर्मा आवेदन फार्म आदि का अनुमोदन किया गया।

कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा में 12 नये विभागों यथा सस्य विज्ञान, मृदा विज्ञान एवं रसायन, अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन, कीट विज्ञान, पौध व्याधि एवं सूत्र कृमि विज्ञान, उद्यान विज्ञान, पशुविज्ञान, कृषि अर्थशास्त्र, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी, कृषि प्रसार एवं संचार, पादप कार्थिकी एवं जीव रसायन तथा कृषि अभियांत्रिकी के स्थापना का अनुमोदन किया। महाविद्यालय में बोर्ड ऑफ स्टडीज का गठन, 6 विषय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाने जैसे सस्य विज्ञान, आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन, कीट विज्ञान, पौध व्याधि, मृदा विज्ञान का अनुमोदन तथा 2 विषयों में विद्या वाचस्पति पाठ्यक्रम जैसे सस्य विज्ञान तथा आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन चलाने का निर्णय लिया। महाविद्यालय में 60 सीटों पर स्नातक (आनर्स) कृषि, 26 सीटों पर स्नातकोत्तर व 4 सीटों पर विद्या वाचस्पति पाठ्यक्रम में प्रवेश का निर्णय लिया गया, साथ ही शुल्क निर्धारण का निर्णय भी लिया गया। सभी पाठ्यक्रमों के प्रवेश मानदण्ड क्रेडिट लोड, सेमेस्टर वार कोर्स वितरण, कोर्स पाठ्यक्रम इत्यादि का अनुमोदन किया गया।

1.13 वित्त समिति बैठक

माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में 8 जून 2018 को चतुर्थ वित्त समिति की बैठक आयोजित की गई। वित्त समिति ने वित्तीय वर्ष 2017-18 का संशोधित बजट एवं 2018-19 का अनुमानित बजट का अनुमोदन किया। वर्ष 2018-19 का बजट अनुमान एवं अनुमानित खर्च क्रमशः 51.53 करोड़ रु. एवं 48.33 करोड़ प्रस्तावित किया।

1.14 प्रसार शिक्षा परिषद की बैठक

प्रसार शिक्षा परिषद की बैठक दिनांक 26.07.2018 को आयोजित की गई, जिसमें निम्न निर्णय लिये गये:-

- सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर तकनीकी प्रदर्शन हेतु क्रॉप म्यूजियम विकसित करना व जीवन्त प्रदर्शन इकाईयों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों को जिले के अधिक से अधिक गांवों में तकनीकी प्रसार कार्य करते हुए अन्तिम गांवों तक पहुँचने का प्रयास करना चाहिए।
- कृषक समुदाय की आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षण आयोजित करने की आवश्यकता है।
- प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों की अधिक संख्या होने पर कम से कम 10-15 प्रदर्शन की गुणवत्ता प्रदर्शित करने योग्य होना चाहिए।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों के परिसर पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है।
- समस्या आधारित प्रक्षेत्र परीक्षणों की संख्या बढ़ाये जाने की आवश्यकता है।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों की जीवन्त इकाईयों पर लाभ लागत का ब्यौरा प्रदर्शित किया जाना चाहिए।
- केन्द्रों पर समन्वित कृषि प्रणाली पद्धति के मॉडल विकसित किये जाने चाहिए।
- मसाला फसलों व संतरा में प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन की विशेष आवश्यकता है।
- किसानों की आय दुगुनी करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है।
- कृषकों की आय दुगुनी करने हेतु समन्वित खेती पद्धति को बढ़ावा देने एवं समन्वित कृषि प्रबन्धन तकनीकी, कम लागत की नवीन तकनीकी का विशेष तौर पर प्रचार प्रसार की आवश्यकता है।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा दी जा रहीं तकनीकों का कृषक समुदाय द्वारा ग्राह्यता से कृषकों को हो रहे लाभ एवं सफलता की कहानियों का विशेष प्रलेखन तैयार करने की आवश्यकता है।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियों का जिले के कृषकों में प्रभाव का प्रलेखन करने की आवश्यकता है।



- के.वी.के.गुणवत्तायुक्त बीज व फल वृक्षों की उन्नत पौध तैयार कर कृषकों को उपलब्ध करवाने के कार्य में अधिक ध्यान दें।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा ग्राम स्तर पर कृषकों के लिए प्रशिक्षण (ऑफ केम्पस) आयोजित करने को विशेष बल दिया जाए।
- सब्जियों एवं फलों की जैविक खेती को विशेष तौर पर बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
- कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ पर विकसित पौध स्वास्थ्य क्लिनिक की तर्ज पर सभी कृषि विज्ञान केन्द्र अपनी पौध स्वास्थ्य क्लिनिक विकसित करें।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों को सम्पूर्ण विषयों में जानकारी से अपडेट होना चाहिए।

1.15 वरिष्ठ अधिकारी परिषद की बैठक

माननीय कुलपति प्रोफेसर जी एल केशवा की अध्यक्षता में उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ में 8 जनवरी 2018 को द्वितीय वरिष्ठ अधिकारी परिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार (केवीके) से सम्बंधित विश्वविद्यालय की सभी इकाइयों के चल रहे कार्यक्रमों और भविष्य की योजनाओं की प्रगति प्रस्तुत की गई। डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान ने किसानों की आमदनी को दोगुना करने के लिए विश्वविद्यालय के एकीकृत खेती मॉड्यूल और बीज उत्पादन कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा में 'महर्षि पाराशर शोधपीठ' को मजबूत करने का सुझाव दिया। विशेष रूप से वन्यजीव विज्ञान में पीजी कार्यक्रम शुरू करने के लिए वानिकी शिक्षा को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। अनुभवी शिक्षण कार्यक्रम के तहत बागवानी और वानिकी के स्नातक छात्रों में कौशल विकास के लिए शहद प्रसंस्करण इकाई की स्थापना को आवश्यक माना। डॉ. के.एम.गौतम, निदेशक प्रसार शिक्षा ने केवीके द्वारा किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) गठन, फसल अवशेष प्रबंधन और बीज उत्पादन कार्यक्रम के महत्व के बारे में अपने विचार व्यक्त किए।



1.16 अनुसंधान परिषद बैठक

दिनांक 07.08.2018 को अनुसंधान निदेशालय के अर्न्तगत द्वितीय अनुसंधान परिषद की बैठक कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा के सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में स्वामी केशवानन्द कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति डॉ. बी.आर. छीपा, मुख्य अतिथि एवं महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के पूर्व निदेशक अनुसंधान डॉ. एस. आर. मालू विशिष्ट सदस्य के रूप में उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता प्रो. जी. एल. केशवा, कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने की। बैठक में निदेशक अनुसंधान डॉ. प्रताप सिंह ने विगत वर्ष की अनुसंधान उपलब्धियों एवं भावी योजनाओं को प्रस्तुत किया। अनुसंधान निदेशक ने बताया कि विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान केन्द्र द्वारा विभिन्न फसलों की कुल 7 नवीन किस्में तथा 81 उन्नत तकनीकियां विकसित की गई है जो किसानों के लिए फसलों की उपज बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी। क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान डॉ. एम.सी. जैन तथा अन्य केन्द्र के प्रभारियों ने अपने-अपने केन्द्र के प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किए। बैठक में डॉ. बी. आर. छीपा, कुलपति, स्वामी केशवानन्द कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर ने किसानों की आय को दोगुना करने के लिए उन्नत तकनीकों को और बेहतर बनाने व किसानों द्वारा उनको अपनाने का आव्हान किया। डॉ. एस. आर. मालू ने प्रजनक बीज उत्पादन क्षमता बढ़ाये जाने पर जोर देते हुए कहा की कोटा कृषि विश्वविद्यालय बीज उत्पादन से ही देश में जाना जाता है। अतः अभी इस दिशा में और उत्पादन बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। डॉ. आर. के. सिंह अध्यक्ष, मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, कोटा ने मृदा एवं जल संरक्षण के महत्व को समझाया तथा विभिन्न तकनीकों को अपनाकर मृदा एवं जल संरक्षण पर जोर दिया।

कुलपति प्रो. जी.एल. केशवा ने किसानों की आय वृद्धि के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए विश्वविद्यालय की इस दिशा में प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने किसानों के लिए समन्वित कृषि प्रणाली व नवोन्मेषी तकनिकियों द्वारा उपज बढ़ाने पर जोर दिया।



1.17 अध्ययन मण्डल की बैठक

कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज-कोटा के अध्ययन मण्डल की प्रथम बैठक दिनांक 12.10.2018 को महाविद्यालय के सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अधिष्ठाता डॉ. एम. सी. जैन ने की। डॉ. विरेन्द्र नेपालिया, पूर्व परीक्षा नियंत्रक, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर ने बाह्य सदस्य के रूप में भाग लिया। बैठक में कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक अनुसंधान डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक शिक्षा, परीक्षा नियंत्रक, अध्ययन मण्डल के सदस्य एवं महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभाग अध्यक्षों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कृषि के बी.एस.सी., एम.एस.सी. एवं पी.एच. डी. में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के कोर्सेज में राजभवन के दिशा-निर्देशानुसार आवश्यक समीक्षा के बाद उनका निर्धारण किया गया तथा विभिन्न संकायों के पाठ्यक्रमों को निर्धारित करने के लिए विभागानुसार गठित समितियों को स्वीकृत भी किया गया। बैठक में आगामी अकादमिक वर्ष 2019-20 से वर्तमान में प्रवेश हेतु 60 सीटों के अतिरिक्त उच्च माध्यमिक परीक्षा की वरीयता के आधार पर 10 विद्यार्थियों को स्नातक कृषि में प्रवेश देने का भी अनुमोदन किया गया।



1.18 दीक्षांत समारोह

विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह 26 सितम्बर 2018 को कृषि मंत्री, राजस्थान सरकार एवं कृषि वैज्ञानिक चयन मण्डल, नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. ए.के. श्रीवास्तव के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

जिसमें 15 स्नातकोत्तर उद्यानिकी, 34 स्नातक उद्यानिकी 09 स्नातक वानिकी तथा 53 स्नातक कृषि ऑनर्स कुल 111 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा 01 कुलाधिपति स्वर्णपदक, 01 कुलपति स्वर्णपदक एवं 02 स्नातक स्वर्णपदक दिये गए। कुलाधिपति स्वर्णपदक सुश्री सुषमा पाटिल को मिला तथा सुश्री विशाखा इन्दा स्नातक उद्यानिकी में कुलपति स्वर्णपदक दिया गया तथा चौथमल शर्मा को स्नातक कृषि स्वर्णपदक प्रदान किया गया।



विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह

1.19 कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र (ATMVIC) कालोकार्पण

कृषि एवं पशुपालन मंत्री राजस्थान सरकार द्वारा दिनांक 26 सितम्बर, 2018 को कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र (ATMVIC) के भवन का उद्घाटन किया गया।



कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र

1.20 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 14 जून, 2018 को विश्वविद्यालय के प्रांगण में मनाया गया। इस योग शिविर में माननीय कुलपति एवं विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया एवं 21 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आर.ए.सी. ग्राउण्ड, कोटा पर बाबा रामदेव के सानिध्य में योग किया। विश्वविद्यालय के अन्य जिलों में स्थित सभी इकाइयों द्वारा भी 21 जून 2018 को योग दिवस आयोजित किया गया। उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के छात्र/छात्राएँ, शिक्षक व अन्य कर्मचारियों ने खेल संकुल, झालावाड़ में योग गुरु डॉ. वाई.एस सिंह के दिशा निर्देशों में योग कर योग दिवस मनाया।



योग क्रियायें करते हुए



उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया



योग क्रियायें करते हुए

1.21 राष्ट्रीय मतदाता दिवस

विश्वविद्यालय के प्रांगण में 25 जनवरी 2018 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस आयोजित किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया तथा मतदान करने का संकल्प लिया।



मतदान करने का संकल्प लेते हुए

1.22 कृषि विज्ञान मेला

विश्वविद्यालय में 24 फरवरी, 2018 को कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा एवं आत्मा, कोटा के सहयोग से कृषि विज्ञान मेला एवं फसल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन डॉ. ए.के.सिंह, उप महा निदेशक (कृषि प्रसार), आईसीएआर, नई दिल्ली व डॉ. एस.के. सिंह, निदेशक, आईसीएआर-एटीएआरआई, जोधपुर और प्रोफेसर जी.एल.केशवा, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा किया गया। किसान मेला में कृषि में नवाचार से संबंधित तकनीक प्रदर्शनी भी व्यवस्थित की गई। मेलों में लगभग 4850 किसान महिलाओं ने भाग लिया। इसी प्रकार 24 मार्च, 2018 को आत्मा, बांरा के सहयोग से केवीके, अंता (बारौ) में कृषि विज्ञान मेला व फसल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 2528 किसानों ने भाग लिया।



कृषि विज्ञान मेला में प्रतिभागी

1.23 स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस

विश्वविद्यालय द्वारा स्वतंत्रता दिवस का आयोजन विश्वविद्यालय में दिनांक 15 अगस्त, 2018 को 72 वां स्वतंत्रता दिवस एवं 26.01.2018 को 69 वां गणतंत्र दिवस का आयोजन बड़े हर्षोउल्लास से किया गया। साथ ही माननीय कुलपति महोदय ने विश्वविद्यालय द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों एवं उपलब्धियों का उल्लेख किया। इसी प्रकार विश्वविद्यालय की अन्य इकाईयों जैसे कृषि विज्ञान केन्द्रों, महाविद्यालयों एवं कृषि अनुसंधान उपकेन्द्रों पर भी स्वतंत्रता एवं गणतंत्र दिवस मनाये गये। दोनो संगठक महाविद्यालयों के छात्रों ने भी अपने-अपने कैम्पस में उक्त समारोह में बड़ चढ़ कर भाग लिया तथा देश भक्ति गीत, कविता, पोस्टर प्रदर्शन व अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दे कर समारोह की गरिमा बढ़ाई।



विश्वविद्यालय द्वारा स्वतंत्रता दिवस का आयोजन



कृषि अनुसंधान केन्द्र द्वारा स्वतंत्रता दिवस का आयोजन



कृषि महाविद्यालय द्वारा स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

1.24 वृक्षारोपण कार्यक्रम

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय में वन महोत्सव के दौरान पौधरोपण किया गया। इस कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी, सन्तरा उत्कृष्टता केंद्र प्रभारी श्री देवेन्द्र चौधरी, महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. आई. बी. मोर्य के साथ महाविद्यालय समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने महाविद्यालय परिसर की 1.5 किमी लम्बी चारदीवारी पर नीम, सागवान, जामुन सहित कुल 300 पौधे लगाए। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने विद्यार्थियों को पौधरोपण जैसे पुनीत कार्य के लिए प्रोत्साहित किया। महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. आई. बी. मोर्य ने महाविद्यालय परिसर को हराभरा बनाने और शैक्षणिक-दृष्टि से प्रजातिवार पौधरोपण करने का आह्वान किया। कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ में दिनांक 31 अगस्त 2018 को वन महोत्सव कार्यक्रम के दौरान किसानों के साथ केन्द्र में वृक्षारोपण किया एवं इसके महत्त्व एवं उपयोगिता के बारे में किसानों को जागरूक किया। कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर में भी 15 जुलाई 2018 को 250 पौधों का रोपण किया गया।

1.25 विश्व पर्यावरण दिवस

कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज कोटा एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा में दिनांक 05 जून 2018 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। यह दिवस अन्तरराष्ट्रीय विषय 'प्लास्टिक प्रदूषण का नियंत्रण' की थीम पर मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एल. के. दशोरा, पूर्व अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ थे। डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा विशेष अतिथि एवं डॉ. एम. सी. जैन, अधिष्ठाता एवं क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र के सभी कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पधारे हुए अतिथियों को विश्व पर्यावरण दिवस की महत्ता को विस्तार से समझाने के लिए एक डॉक्यूमेन्ट्री भी प्रदर्शित की गई जिसमें पर्यावरण रक्षण में अधिक से अधिक मानवीय मूल्यों के समावेश पर जोर दिया जा सके। कार्यक्रम के अन्त में अतिथियों द्वारा अनुसंधान केन्द्र पर वृक्षारोपण किया गया तथा कार्यक्रम में उपस्थित सभी महानुभावों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प भी लिया।



विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

1.26 विश्व मृदा दिवस

कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा द्वारा 5 दिसम्बर, 2018 को माननीय कुलपति डॉ. जी.एल.केशवा की अध्यक्षता में केन्द्र पर विश्व मृदा दिवस मनाया गया जिसमें मिट्टी में उपलब्ध एवं आवश्यक 16 पोषक तत्वों की जानकारी दी गई। वर्तमान में 28 करोड़ टन से ज्यादा आम का उत्पादन तथा 30 करोड़ टन से ज्यादा फल एवं सब्जी का उत्पादन हैं। किन्तु अत्याधिक रसायन, कीटनाशक व अन्य दवाइयों के प्रयोग से मृदा का स्वास्थ्य खराब हो रहा है इस हेतु मृदा स्वास्थ्य प्रबन्ध पर ध्यान देना है। विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों द्वारा भी मृदा स्वास्थ्य दिवस मनाया गया जिसमें लगभग 1000 कृषक व महिलाओं ने भाग लिया। इस वर्ष 5000 कृषकों की मिट्टी का परीक्षण कर मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किये गये तथा समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी दी गई।



विश्व मृदा दिवस का आयोजन



विश्व मृदा दिवस का आयोजन

1.27 स्वच्छता पखवाड़ा

स्वच्छता पखवाड़ा का कार्यक्रम 1.08.2018 से 15.08.2018 तक आयोजित किया गया इस कार्यक्रम के अन्तर्गत उम्मेदपुरा गांव के विद्यालय परिसर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं स्वच्छता कार्यक्रम अनुसरण किया तथा स्वच्छता रैली आयोजित की गई ग्रामवासियों की भागीदारी इसमें उत्साहजनक रही। इसी प्रकार विश्वविद्यालय अधीनस्थ सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया।



कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ में स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन



उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ में स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन



स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम आयोजन दिनांक 02.10.2018

कृषि विज्ञान केन्द्र, करौली में स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

1.28 विकसित नए संसाधन/आधारभूत संरचना

● मधुमक्खी पालन एवं प्रसंस्करण इकाई :-

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ में सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के अन्तर्गत 29.30 लाख रू. की लागत से मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना की गई। इस योजना के अन्तर्गत क्षेत्रीय किसानों को शहद प्रसंस्करण, शहद बोटलिंग एवं मधुमक्खी पालन पर प्रशिक्षण देने का कार्य किया जाएगा।



मधुमक्खी पालन एवं प्रसंस्करण इकाई

● दलहन बीज प्रसंस्करण इकाई :- कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ द्वारा किसानों को बीज उत्पादन कार्यक्रम में सम्मिलित कर 700 क्विंटल आधार बीज उत्पादन का विक्रय किया। कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा में 24 फरवरी 2018 को दलहन बीज हब का उद्घाटन डॉ. ए.के.सिंह, उप महा निदेशक (कृषि प्रसार), आईसीएआर, नई दिल्ली व डॉ. एस.के. सिंह, निदेशक, आईसीएआर-एटीएआरआई, जोधपुर और प्रोफेसर जी.एल.केषवा, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा किया गया।



दलहन बीज हब का उद्घाटन

● नवीन कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज-कोटा

I कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा में विद्यार्थियों के रहने एवं अध्ययन-अध्यापन की सुविधाओं के लिए छात्रावास एवं प्रयोगशालाओं की मरम्मत का कार्य करवाया गया।



II विद्यार्थियों के सुचारू अध्ययन के लिए नवीन कक्षा कक्षों की स्थापना व विकास किया गया तथा विद्यार्थियों को इसके लिए आवश्यक फर्नीचर व शिक्षा उपयोगी साधनों की उपलब्धता कराई गयी।



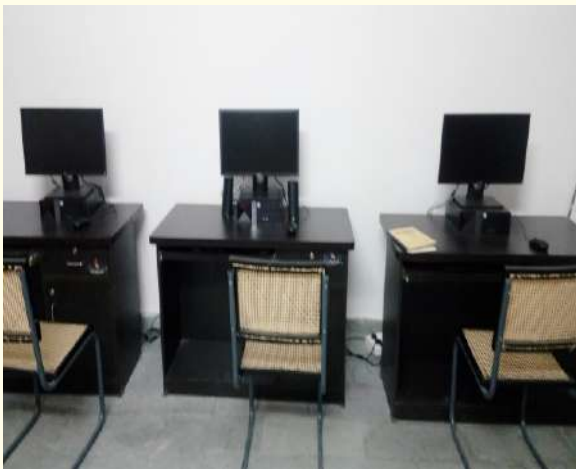
III महाविद्यालय में विभिन्न प्रयोगशालाओं में आवश्यक उपकरण जैसे- स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, लेमिनार एयरफ्लो तथा ऑडियों विजुअल एड्स की उपलब्धता करायी गई।



IV विद्यार्थियों की अशैक्षणिक गतिविधियों एवं खेलकूद जैसे कबड्डी, वालीबॉल, टेबल टेनिस, बेडमिंटन इत्यादि के लिए मैदानों को तैयार किया गया तथा आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाये।



V महाविद्यालय के पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की रेफरेंस बुक्स, पीरियोडिकल्स, जर्नल्स, अन्य पत्र-पत्रिकाएँ तथा पुस्तकालय के कम्प्यूटर कक्ष में विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्सेज जैसे ई-बुक्स, ई-जर्नल्स इत्यादि विद्यार्थियों को मुहैया कराये गये। पुस्तकालय में वर्तमान में लगभग 1150 मुद्रित पुस्तकें, 300 ई-बुक्स, 150 मुद्रित शोध पत्रिकाएँ तथा 350 ई शोध पत्रिकाएँ विद्यार्थियों के उपयोग हेतु उपलब्ध करायी गई हैं।



1.29 विश्वविद्यालय में संचालित परियोजनायें :

- जलवायु समुत्थानशील कृषि में राष्ट्रीय नवप्रवर्तन (NICRA)
- दालों के स्वदेशी उत्पादन को बढ़ाने के लिए बीज केन्द्रों का निर्माण
- कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र की स्थापना
- गौपशु प्रबन्धन महिला कौशल उन्नयन परियोजना
- कृषि विज्ञान केन्द्रों पर गुणवत्ता युक्त बीज एवं पौध सामग्री के उत्पादन में वृद्धि हेतु ढांचागत सुदृढीकरण
- खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन
- दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान में ग्रामीण युवकों को सिरोही नस्ल की बकरी पालन में कौशल विकास करना एवं प्रदर्शन इकाई की स्थापना
- वार्षिक एवं बहुवर्षीय सैंजना का कोटा क्षेत्र के लिए उत्पादन एवं गुणवत्ता की दृष्टि से उपयुक्त पौध ज्यामिति का निर्धारण
- हाई-टेक बागवानी पर नवोन्मेषी अनुदान
- अनार में फफूंदीनाशक एजोक्सीस्ट्रोबीन (8.3%) और मैंकोजेब (66.7%) का जैव दक्षता एवं पादप विषाक्तता पर अध्ययन
- प्रसंस्करण एवं विपणन कियोस्क
- नीबू वर्गीय (साइट्रस) जटिल रोग समूह के कवकनाशी कुप्रोफिक्स डिस्पर्स (कॉपर सल्फेट 47.15 मेन्कोजेब 30: डब्ल्यू. जी.) का जैव-क्षमता और पादप विषाक्तता के लिए मूल्यांकन
- अनार जटिल रोग समूह के कवकनाशी कुप्रोफिक्स डिस्पर्स (कॉपर सल्फेट 47.15 मेन्कोजेब 30: डब्ल्यू. जी.) का जैव-क्षमता और पादप विषाक्तता के लिए मूल्यांकन

विशिष्ट गतिविधियां एवं उपलब्धियां

2. शैक्षणिक :

2.1 उद्यानिकी वानिकी महाविद्यालय, झालावाड

उद्यानिकी वानिकी महाविद्यालय, झालावाड द्वारा 30 मई 2018 को वार्षिक पुरस्कार वितरण कार्यक्रम "स्पन्दन" का आयोजन हुआ। 1 अगस्त 2018 से 15 अगस्त 2018 के बीच एन.एस.एस. इकाई द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। दिनांक 31 अगस्त 2018 को महाविद्यालय के छात्र संघ चुनाव सम्पन्न हुए। इसी के साथ स्नातक के 53 विद्यार्थियों का 28 सितम्बर से 6 अक्टूबर के बीच उत्तरी भारत का 10 दिवसिय शैक्षणिक भ्रमण आयोजित हुआ। दिनांक 18 से 24 नवम्बर 2018 के बीच महाविद्यालय स्तर पर खेल-कूद सप्ताह का आयोजन भी हुआ। इसी वर्ष 2018 से महाविद्यालय में एन.सी.सी. इकाई का शुभारम्भ भी हुआ है।

अ. कुल पंजीकृत विद्यार्थी :

क्र. सं.	शैक्षणिक उपाधि (विषयानुसार)	कुल छात्र											
		कुल		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		सामान्य		विदेशी छात्र	
		छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा
1	स्नातक (उद्यानिकी)	149	55	26	06	11	8	95	34	14	07
	स्नातक (वानिकी)	96	30	20	07	11	04	52	17	13	02
2	स्नातकोत्तर (उद्यानिकी)	36	13	07	01	12	01	12	6	4	5	01
	स्नातकोत्तर (वानिकी)	14	06	03	01	09	01	02	04
3	विद्या वाचस्पति (फल विज्ञान)	04	02	...	01	04	01
	कुल	295	106	56	16	34	13	172	59	33	18	1

ब. कुल उत्तीर्ण विद्यार्थी :

क्र. सं.	शैक्षणिक उपाधि (विषयानुसार)	कुल		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		सामान्य		विदेशी छात्र		कुल
		छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	
1	स्नातक (उद्यानिकी)	24	13	4	0	2	2	18	10	0	1	0	0	37
2	स्नातक (वानिकी)	07	05	2	1	0	0	4	3	1	1	0	0	12
3	स्नातकोत्तर	06	03	1	1	1	0	2	2	2	0	0	0	09

स. विभिन्न कक्षाओं में विषयवार विद्यार्थियों की कुल संख्या :

पाठ्यक्रम	प्रवेश क्षमता	वर्ष				कुल
		I	II	III	IV	
स्नातक (उद्यानिकी)	55	49	53	54	47	203
स्नातक (वानिकी)	60	51	27	30	17	125
स्नातकोत्तर (उद्यानिकी)	15	15	34	49
स्नातकोत्तर (वानिकी)	20	16	04	20
विद्या वाचस्पति (फल विज्ञान)	03	03	03	06
कुल	153	134	121	84	64	403

2.2 कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज-कोटा

अ. कुल पंजीकृत विद्यार्थी :

क्र. सं.	शैक्षणिक उपाधि (विषयानुसार)	कुल छात्र									
		कुल		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		सामान्य	
		छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा
1	स्नातक (कृषि)	50	9	11	3	2	-	20	4	17	2
	कुल	50	9	11	3	2	-	20	4	17	2
2	स्नातकोत्तर (कृषि)										
	शस्य विज्ञान	2	2	-	-	1		...	2	1	-
	पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी	5	-	-	-	5	-	-	-	-	-
	मृदा विज्ञान	3	1	.	.	2	1	1	-	-	-
	पौध व्याधि विज्ञान	2	2	-	-	-	2	1	-	1	-
	कीट विज्ञान	3	-	-	-	-	-	2	-	1	-
	उद्यान विज्ञान	2	2	-	-	-	-	1	1	1	1
	कुल	17	7	-	-	8	3	5	3	4	1
3	विद्या वाचस्पति (फल विज्ञान)										
	शस्य विज्ञान	-	2	-	-	-	-	-	2	-	-
	पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी	3	-	1	-	-	-	2	-	-	-
	कुल	3	2	1	-	-	-	2	2	-	-
	सकल कुल (1+2+3)	70	18	12	3	10	3	27	9	21	3

ब. विभिन्न कक्षाओं में विषयवार विद्यार्थियों की कुल संख्या :

पाठ्यक्रम	प्रवेश क्षमता	कुल
		I
स्नातक (कृषि)	60	59
स्नातकोत्तर (कृषि)	26	24
स्नातकोत्तर (वानिकी)		
विद्या वाचस्पति (कृषि)	04	05*
कुल	90	88

* one is super numerary seat for inservice candidate

2.3 स्नातक एवं स्नाकोत्तर स्तर शैक्षणिक उन्नयन हेतु नई पहल

- उद्यानिकी वानिकी महाविद्यालय, झालावाड द्वारा स्नातकोत्तर स्तर पर वन्य जीव विज्ञान, वन संवर्धन एवं कृषि वानिकी वन जैविकी एवं वृक्ष सुधार तथा वन उत्पाद एवं उपयोग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चालू किये गये।
- कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज-कोटा द्वारा दिनांक 26.10.2018 को ई-लर्निंग वर्क-बुक्स विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का

आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में कृषि महाविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों तथा कृषि अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में एबेस्को के प्रतिनिधि ने ई-जर्नल्स एवं ई-बुक्स को इन्टरनेट के माध्यम से प्राप्त करने, मूल्यांकन करने, सहभागिता, संकलन इत्यादि के प्रोटोकॉल के बारे में समझाया। विशेष रूप से इस प्रशिक्षण में कृषि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने रुचि दिखाई तथा उनके पाठ्यक्रमानुसार उपयोगी पुस्तकों को खोजा एवं जानकारी ली।



2.4 उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड पर आयोजित कार्यशाला, संगोष्ठी, प्रशिक्षण

क्र. सं.	प्रशिक्षण/कार्यशाला	दिनांक	भाग लेने वालों की संख्या
1	वन पौधशालाओं का उपयोग प्रबंधन एवं व्यापकर्ता	13 से 15 मार्च 2018	42
2	वृक्षारोपण-उद्देश्य, प्रकार एवं विविध आचार्य	21 से 23 मार्च 2018	28
3	स्त्राबेरी की खेती दो दिवसीय प्रशिक्षण	12 से 13 मार्च 2018	51
4	चिरौंजी की खेती प्रसाधन एवं प्रसंस्करण प्रबंधन	16 से 18 मार्च 2018	34

2.5 ग्रामीण उद्यानिकी/वानिकी कार्य अनुभव कार्यक्रम :

- उद्यानिकी वानिकी महाविद्यालय, झालावाड : अकादमिक सत्र 2018-19 में, अंतिम वर्ष बीएससी (उद्यानिकी) के 47 विद्यार्थियों और बीएससी (वानिकी) के 17 विद्यार्थियों ने आरएचईपी/हैंड-ऑन-ट्रेनिंग और वानिकी कार्य अनुभव क्रमशः किया है। इस कार्यक्रम के तहत बीएससी (उद्यानिकी) के विद्यार्थियों ने उद्यानिकी अध्ययन के एक विशेष क्षेत्र में प्रशिक्षण के साथ-साथ उद्योगिकी विस्तार के लिए प्रशिक्षित किया तथा बीएससी (वानिकी) के विद्यार्थियों ने सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षणों, राज्य वन विभाग अनुलग्नक और वानिकी में औद्योगिक व उद्योगिकी विस्तार में प्रशिक्षण लिया।

स्नातक(उद्यानिकी) विद्यार्थी :



अंतिम वर्ष बीएससी (उद्यानिकी) विद्यार्थियों को निम्नलिखित तीन में से किसी एक विषय पर 14 सप्ताह के लिए अध्ययन के एक विशेष क्षेत्र में प्रशिक्षण दिया

- उच्च मूल्य फसलों की संरक्षित खेती
- नर्सरी उत्पादन और प्रबंधन
- पुष्प और भू:दृश्य उद्यानिकी

इसके अतिरिक्त उद्यानिकी के अंतिम वर्ष के सभी छात्रों को 3 सप्ताह के लिये कृषि आधारित उद्योगों में भेज कर प्रशिक्षण दिया गया। इसी प्रकार अंतिम वर्ष बीएससी (वानिकी) के 17 विद्यार्थियों ने सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण-4 सप्ताह के लिए, 10 सप्ताह के लिए राज्य वन विभाग के विभिन्न खण्ड के साथ जोड़ कर तथा 4 सप्ताह के लिए औद्योगिक संस्थाओं में भेजकर प्रशिक्षण दिया गया।



2.6 कुलपति द्वारा महाविद्यालय का निरीक्षण

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के कुलपति डॉ. जी.एल. केशवा ने दिनांक 16.11.2018 तथा 29.11.2018 को नवीन कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज-कोटा का निरीक्षण किया एवं अध्ययन-अध्यापन की गतिविधियों का जायजा लिया। कुलपति ने अध्यापन के कार्य में विशेष रुचि दिखाते हुए स्नातक एवं स्नातकोत्तर की कक्षाओं में स्वयं विद्यार्थियों के साथ बैठकर अध्यापन कार्य का मूल्यांकन किया। साथ ही निर्माणधीन छात्रावास एवं प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया। छात्रावास में निवास कर रही छात्राओं से वार्तालाप करके उनकी समस्याओं का अनुभव किया तथा उनके तुरन्त निवारण के निर्देश दिये। दिनांक 04.12.2018 को कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा में चल रही परीक्षाओं का भी निरीक्षण कर व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया।



2.7 विद्यार्थी गतिविधियां

- राष्ट्रीय सद्भावना दिवस 20.08.2018 को किये गए इस कार्यक्रम में समस्त विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारी गणों ने भाग लिया।



- एन.एस.एस. स्थापना दिवस के अन्तर्गत 24.09.2018 को स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया।



- महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती के जन्म दिवस 2 अक्टूबर को महाविद्यालय में आयोजित किया गया।



महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती आयोजन

- एन सी सी कार्यक्रम
- 1. उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय में राष्ट्रीय केडेट कोर्स के केडेट्स ने स्वच्छता ही सेवा का कार्यक्रम 15 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक भाग लिया (Mass mobilization for construction of Compost pits) आयोजित किया गया।

2. उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय में 29 सितम्बर 2018 को पराक्रम पर्व मनाया गया। कार्यक्रम में एन. सी. सी. ऑफिसर हनुमान सिंह के मार्गदर्शन में एनसीसी के केडेटों ने परेड की। सभी ने सर्जिकल स्ट्राइक पर पोस्टर बनाए और सैनिकों को नाम पत्र लिखे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जाट रेजिमेन्ट के सेवा निवृत्त केप्टन श्यामलाल गुर्जर ने कहा कि देश की रक्षा के लिए सीमा पर खड़े जवान के मन में परिवार से अधिक देश सेवा का जज्बा रहता है। हवलदार श्यामलाल गड़वाल ने बताया कि सैनिक की कोई जात पात व धर्म नहीं होता है। उनका प्रमुख धर्म देश व देशवासियों की रक्षा करना होता है।



पराक्रम पर्व



कम्पोस्ट पिट प्रदर्शन

- शैक्षणिक भ्रमण

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय द्वारा छात्रों के लिए 10 दिन (28.09.2018 से 6.10.2018) का शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस भ्रमण में उद्यानिकी एवं वानिकी के 62 छात्र-छात्राओं तथा 3 शैक्षणिक एवं 2 अशैक्षणिक कर्मचारियों ने भाग लिया, तथा निम्न स्थलों पर विद्यार्थियों का भ्रमण कार्य संचालित किया गया:- 1. रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी 2. भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झाँसी 3. एन. बी. आर. आई, लखनऊ 4. केन्द्रीय औषधीय एवं सुगंध पौधा संस्थान, लखनऊ 5. गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर 6. नैनीताल 7. हरिद्वार 8. वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून 9. भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली 10. राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर इत्यादि।





• खेल-कूद प्रतियोगिता

कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा पर दिनांक 15-23 अक्टूबर 2018 को खेल-कूद सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ कुलपति प्रो. जी. एल. केशवा द्वारा किया गया। महाविद्यालय के स्नातक, स्नातकोत्तर व विद्या वाचस्पति स्तर के विद्यार्थियों में विभिन्न खेल-कूद प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इसी प्रकार उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय में भी 20-24 नवम्बर 2018 को एकल एवं अन्तः कक्षा खेल-कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके दौरान बैडमिंटन, बास्केट बॉल, टेबल टेनिस, कबड्डी, एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया दिनांक 24 नवम्बर 2018 को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा इन खेलों का समापन किया गया। कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा में दिनांक 15-23 अक्टूबर 2018 को स्नातक, स्नातकोत्तर व विद्या वाचस्पति के विद्यार्थियों की महाविद्यालय स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिताएँ सम्पन्न हुईं। मुख्य रूप से कबड्डी, खो-खो, बैडमिंटन, एथलेटिक्स इत्यादि की प्रतियोगिताएँ हुईं जिसमें विद्यार्थियों में बढ़ चढ़कर भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का चयन अन्तर महाविद्यालय/विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं के लिए चयन किया गया। प्रतियोगिताओं के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जी.एल. केशवा ने उपस्थित होकर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया।





2.8 कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज-कोटा का शुभारंभ नव सृजित कृषि महाविद्यालय में पंजीकरण एवं प्रवेश कृषि दिनांक 05.07.2018 को स्नातक कृषि में प्रवेश हेतु विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ। प्रवेशित समस्त विद्यार्थियों का चयन राजस्थान राज्य स्तरीय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेट) के माध्यम से हुआ था। इस महाविद्यालय के प्रथम वर्ष में अकादमिक वर्ष 2018-19 के लिए कुल 60 सीटें निर्धारित की गई हैं।



• विद्यार्थियों का स्वागत एवं कक्षाओं का शुभारम्भ कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज-कोटा में दिनांक 09.07.2018 को प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत हुआ एवं अकादमिक वर्ष 2018-19 की कक्षाओं की शुरुआत हुई। विद्यार्थियों के स्वागत कार्यक्रम में डॉ. एल. के. दशोरा, भूतपूर्व अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़, महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एम. सी. जैन ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत किया एवं महाविद्यालय के नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।



• नव प्रवेशित विद्यार्थियों का उन्मुखीकरण दिनांक 08.08.2018 को कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज-कोटा में नव प्रवेशित विद्यार्थियों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत के साथ उनको विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के संघटनात्मक ढाँचे के बारे में बताया गया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एम.सी. जैन ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय की क्रियाविधि एवं संचालन व्यवस्था से अवगत करवाया साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से गुरु-शिष्य की परम्परा को निभाते हुए शिक्षा-शिक्षक-शिक्षार्थी त्रिस्तरीय व्यवस्था की गरिमा व नैतिक मूल्यों का पालन करने का आग्रह किया।



• शिक्षक दिवस का आयोजन

दिनांक 05.09.2018 को कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज-कोटा में शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक अनुसंधान डॉ. प्रताप सिंह थे। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर सभी शिक्षकों ने अपने उद्गार प्रकट किए और शिक्षा एवं शिक्षक का जीवन में महत्व समझाया। मुख्य अतिथि ने छात्रों को अनुशासित जीवन जीने एवं डॉ. राधाकृष्णन के आदर्शों को अपनाने पर जोर दिया।



2.9 अन्य उपलब्धियाँ

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड : अकादमिक वर्ष 2018 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा आयोजित AIEEA-2018 की परीक्षा में उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के 12 छात्रों का JRF तथा 5 छात्रों का SRF में चयन हुआ। इसके अतिरिक्त इस महाविद्यालय की छात्रा सुश्री विशाखा इंदा का उच्च शिक्षा हेतु TESIDE विश्वविद्यालय, इंग्लैंड में चयन हुआ।

3. अनुसंधान

3.1 क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (ZREAC) की बैठक :

कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा पर संभागीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति रबी की बैठक दिनांक 10-11 सितम्बर, 2018 को डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में विश्वविद्यालय से सम्बन्धित जिलों के कृषि वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्रों व कृषि विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। उक्त बैठक के निम्न सिफारिशों का अनुमोदन किया गया-

1) गन्ना की अगेती किस्म सी.ओ. 0238 (उपज: 780-810 किंव/हे) व देरी से बुवाई हेतु सी.ओ. 09022 (उपज: 820-850 किंव/हे), धनिया की प्रताप राज धनिया -1 (उपज: 17-22 किंव/हे) तथा राजमा की कोटा राजमा 1 (उपज: 17-18 किंव/हे) इत्यादि किस्मों की कोटा खण्ड के लिए सिफारिश की गई है। 2) चना फसल में अंकुरण

से पूर्व पेन्डामिथेलीन 30 ई. सी. 1.0 किग्रा. सक्रिय तत्व प्रति है. की दर से 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने पर प्रभावी खरपतवार नियंत्रण होता है। 3) टमाटर फसल में फल भेदक कीट नियंत्रण हेतु एन. पी. वी 250 एल. ई. प्रति है. या ब्वेरिया बेसियाना 5 मिली. प्रति लीटर पानी में घोलकर कीट प्रकोप के प्रारम्भ होने पर छिड़काव करने से प्रभावी नियंत्रण होता है। 4) आलू फसल में जैसिड, चैंपा एवं सफेदमक्खी के नियंत्रण हेतु साईनट्रेनिलिप्रोल 10 ओ. डी. का 60 ग्राम दवा प्रति है. छिड़काव प्रभावी पाया गया है। बैठक में विगत वर्ष के रबी सीजन के अनुसंधान व प्रसार कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया तथा आने वाली रबी सीजन की फसलों के अनुसंधान एवं प्रसार की कार्य योजनाएं बनाई गईं।




3.2 सिमित (CIMMYT) प्रशिक्षण एवं कार्यशाला

कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा पर दिनांक 3 से 7 सितम्बर 2018 तक 5 दिवसीय सिमित प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें पश्चिमी भारत के तीन राज्यों (गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान) के 10 वैज्ञानिकों के साथ डॉ. लुईस बारबा, अन्तर्राष्ट्रीय मक्का एवं गेहूँ सुधार केन्द्र, मेक्सिको तथा डॉ. ए.के.पुष्टि, भारतीय फसल प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ ने भाग लिया। उक्त प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य समेकित कृषि प्रणाली आधारित विभिन्न प्रकार के मात्रात्मक कृषि प्रणाली घटकों को आर-सांख्यिकी प्रगुणक अनुप्रयोग के द्वारा फसल उत्पादकता एवं किसान की आय में वृद्धि करना।



3.3 विकसित की गई नई किस्में :

क्र.सं.	वर्ष	फसल	किस्म	छायाचित्र
1.	2018	राजमा	कोटा राजमा-01 (आर .के.आर 1033) - यह किस्म कोवियपत्ती धब्बा व श्यामवर्ण रोग प्रतिरोधी एवं मोजेक वायरस व अल्टेनेरिया पलिधब्बा रोग सहिष्णु है।	

3.4 फसल, फल एवं सब्जी उत्पादन तकनीक विकसित एवं सिफारिशें:

अरहर	<ul style="list-style-type: none"> अरहर फसल में फली छेदक एवं मरूका कीट के प्रारम्भिक प्रकोप पर क्लोरान्ट्रानिलिप्रोल 18.5 ई.सी. का 100 ग्राम प्रति है. एन.ए.ए. का 40 पी.पी.एम. घोल का छिड़काव फूल शुरू होने पर तथा इसके 15 दिन उपरान्त इण्डोक्साकार्ब 15 .8 ई.सी. का 375 मिली प्रति है. की दर से घोल बनाकर छिड़काव करने से प्रभावी नियंत्रण पाया गया है। अरहर फसल में समेकित प्रबंधन तकनीकें जैसे समेकित पोषक तत्व, खरपतवार एवं कीट प्रबंधन अपनाकर अधिकतम उत्पादन लिया जा सकता है।
उड़द	<ul style="list-style-type: none"> जलीय घुलनशील उर्वरक नत्रजन: फॉस्फोरस : पोटाश (18:18:18) की 0.5 प्रतिशत की दर से फूल शुरू होने की अवस्था पर पर्णाय छिड़काव करके उड़द की अधिक उपज ली जा सकती है। उड़द को चौड़ी मेड़ एवं कूंड पद्धति (बी .बी.एफ.) विधि से तीन पंक्तियों में बुवाई करने पर कम एवं अधिक वर्षा की स्थितियों में अच्छी उपज प्राप्त होती है।
मूंग	<ul style="list-style-type: none"> जलीय घुलनशील उर्वरक नत्रजन: फॉस्फोरस : पोटाश (18:18:18) की 0.5 प्रतिशत फूल शुरू होने की अवस्था पर पर्णाय छिड़काव करके मूंग की अधिक उपज ली जा सकती है। मूंग को चौड़ी मेड़ एवं कूंड पद्धति (बी .बी.एफ.) विधि से तीन पंक्तियों में बुवाई करने पर कम एवं अधिक वर्षा की स्थितियों में अच्छी उपज प्राप्त होती है।
जल प्रबंधन (लहसुन)	<ul style="list-style-type: none"> लहसुन फसल में सिंचाई प्रत्येक तीसरे दिन पर कुल वाष्पोत्सर्जन की 100 प्रतिशत मात्रा तथा अनुशासित उर्वरकों की मात्रा (120:40:100) का शत प्रतिशत जल घुलनशील उर्वरकों के संयोजन क्रमशः यूरिया (46:00:00), पोटेशियम सल्फेट (00:00:50), यूरिया सल्फेट (17:44:00), पोटेशियम नाइट्रेट (13:00:46) एवं एन.पी.के. (19:19:19) आदि की मात्रा 207, 164, 70, 20 व 50 किग्रा. प्रति हैक्टर को 11 समान भाग में विभक्त करके 6-9 दिन के अन्तराल से बूँद-बूँद सिंचाई जल के साथ (फर्टिगेशन) दिया गया। इनमें से 50 प्रतिशत नत्रजन व पोटाश तथा 100 प्रतिशत फॉस्फोरस को शुरू के 40 दिन (6 समान भाग) एवं अधिशेष नत्रजन व पोटाश को अगले 35 दिन (5 समान भाग) में दिया गया। इसके परिणामस्वरूप 17.9 प्रतिशत अधिक कन्द उपज व 6.1 प्रतिशत सिंचाई जल की बचत हुई।

जल प्रबंधन (जायद मूंग)	<ul style="list-style-type: none"> जायद मूंग फसल को फव्वारा द्वारा सिंचाई आई.डब्ल्यू/सी.पी.ई. अनुपात 1.2 (8-10 दिन के अन्तराल पर) पर प्रत्येक सिंचाई अवधि 3.0 घण्टे (1.5 घण्टे के उपरान्त 30 मिनट समय तक फव्वारा बन्द रखें) तथा 125 प्रतिशत संस्तुति उर्वरक की मात्रा (25 नः 50 फोः 37 पोः) एवं थायोसेलिसिलिक अम्ल 100 पी.पी.एम. घोल का पर्णीय छिड़काव फूल आने की अवस्था पर करने से 48.0 प्रतिशत अधिक दाना उपज तथा 9.4 प्रतिशत अधिक जल उपयोग दक्षता प्राप्त होती है।
सोयाबीन	<ul style="list-style-type: none"> सोयाबीन फसल की बुवाई से पूर्व अनुशंसित सिफारिश उर्वरकों की मात्रा (20 नः:40 फॉः 40 पो. किग्रा/है) देने के बाद खड़ी फसल में फली बनने की शुरुआत में डीएपी 2 प्रतिशत का पर्णीय छिड़काव करने पर उत्पादन एवं आय में वृद्धि होती है। अंकुरण से पूर्व पेन्डीमिथेलीन 30 ई.सी. इमाजिथापायर 2 ई.सी. (मिश्रित उत्पाद) का 960 ग्राम सक्रिय तत्व/है (व्यवसायिक दर 3000 मिली./है.) या सल्फेन्ट्राजोन, क्लोमेजोन 58 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण (मिश्रित उत्पाद) का 725 ग्राम सक्रिय तत्व/है (व्यवसायिक दर 1250 मिली./है.) छिड़काव करने पर संकरी एवं चौड़ी पत्तियों वाले खरपतवारों का प्रभावी नियंत्रण होता है। बुवाई के 15-20 दिन पश्चात् खड़ी फसल में फ्लूथायासेट मिथाइल 10.3 प्रतिशत ई. सी. का 121.3 ग्राम सक्रिय तत्व/है, चिपकने वाला घोल 0.25 प्रतिशत को मिलाकर छिड़काव करने के तुरन्त उपरान्त क्यूजिलाफॉप इथाईल 5 ई.सी. का 50 ग्राम सक्रिय तत्व/है छिड़काव करने पर संकरी एवं चौड़ी पत्तियों वाले खरपतवारों का प्रभावी नियंत्रण होता है।
धान	<ul style="list-style-type: none"> धान की किस्म पूसा बासमती 5 (पी 2511) की बुवाई सामान्य रोपाई एवं सीधी बुवाई (ऐराबिक) की तुलना में गीली सीधी छिटकवाँ विधि के द्वारा करने पर शुद्ध आय एवं लाभ लागत अनुपात में बढ़ोतरी होती है।
गन्ना	<ul style="list-style-type: none"> सी.ओ. 0238 (कर्ण 4): यह जल्दी पकाव (280-300 दिन) की किस्म है जिसके गन्ने की लम्बाई 2.0 से 2.5 मीटर एवं तने की मोटाई 2 .3 सेमी. पायी जाती हैं। इससे गन्ना उपज 78- 81 टन प्रति हैक्टर तथा व्यवसायिक चीनी उपज 9.29 टन प्रति हैक्टर प्राप्त होती हैं। इस किस्म के रस में 18 प्रतिशत शर्करा पायी जाती है। यह किस्म लाल सड़न एवं उकठा रोग से प्रतिरोधी है। सी.ओ. 09022 (कर्ण 12): यह मध्यम देरी से पकने वाली (320-360 दिन) की किस्म है जिसकी गन्ना उपज 82-85 टन प्रति हैक्टर, व्यवसायिक चीनी उपज 9.90 टन प्रति हैक्टर एवं रस में 18.12 प्रतिशत शर्करा पायी जाती है। इसके गन्ने की लम्बाई 2.5 से 2.8 मीटर एवं तने की मोटाई 2.3 सेमी. पायी जाती हैं। यह किस्म लाल सड़न एवं उकठा रोग से प्रतिरोधी है। यह किस्म जल भराव वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त पायी गई है।
चना	<ul style="list-style-type: none"> चना फसल में अंकुरण पूर्व पेन्डीमिथेलीन 30 ई.सी. / 1.0 किलो सक्रिय तत्व/है. (व्यवसायिक दर 3.3 लीटर/है) या पेन्डीमिथेलीन 38.7 सी. एस. / 1.0 किलो सक्रिय तत्व/है. (व्यवसायिक दर 2.6 लीटर/है) को 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव से खरपतवारों की प्रभावी नियंत्रण एवं अधिक उपज प्राप्त होती है।
मसूर	<ul style="list-style-type: none"> वर्षा आधारित/सीमित सिंचाई परिस्थितियों में हाइड्रोजेल 2 .5 किग्रा. प्रति हैक्टर को पंक्तियों में 10 सेमी. गहराई पर ऊरने के पश्चात् मसूर फसल की उसी लाईन में बुवाई करने पर एवं घुलनशील उर्वरक एन.पी.के. (19:19:19) का 0.5 प्रतिशत के दो पर्णीय छिड़काव क्रमशः फूल आने एवं फली बनने के समय करने पर अधिक दाना उपज व शुद्ध आय प्राप्त होती है।
राजमा	<ul style="list-style-type: none"> कोटा राजमा 1 (आरकेआर 1033): यह किस्म अगेती पकाव वाली मध्य भारत के क्षेत्रों के लिए उपयुक्त पायी गयी हैं। इस किस्म के दाने मध्यम आकार (30 .7 ग्राम प्रति 100 दानों का भार) तथा भूरे रंग के होते हैं। यह किस्म 100-105 दिन में पककर 17-18 किंव/है. उपज देती हैं। यह किस्म कोणीय पत्ती धब्बा व श्यामवर्ण रोग (एन्थ्रेक्नोज) के प्रति प्रतिरोधी तथा उखटा बीन कॉमन मोजेक विषाणु व अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग के प्रति सहनशील पायी गयी है।

मक्खन घास	<ul style="list-style-type: none"> मक्खनघास को 14 किग्रा . प्रति हैक्टर बीज दर से बुवाई करने पर अधिकतम हरा चारा उपज (1087 क्वि. प्रति है.) प्राप्त हुई।
मधुमक्खी	<ul style="list-style-type: none"> मूली फसल में मधुमक्खियों एवं अन्य परागणकर्ता कीटों के परागण द्वारा 18 .12 प्रतिशत उपज में वृद्धि पायी गयी। कुल परागणकर्ता कीटों में से केवल यूरोपियन मधुमक्खी (एपिस मैलीफेरा) के द्वारा मूली फसल में 9.07 प्रतिशत उपज में बढ़ोतरी पायी गयी।

उद्यानिकी फसलें	
आलू	<ul style="list-style-type: none"> आलू में रस चूसक कीटों हेतु सिट्रानिलिप्रोल 10 प्रतिशत ओड़ी का 600 मिली . प्रति हैक्टर की दर से छिड़काव करने पर प्रभावी नियंत्रण पाया गया। आवश्यकता पड़ने पर 15 दिन बाद पुनः दोहरावें।
धनिया	<ul style="list-style-type: none"> प्रताप राज धनिया 1(आरकेडी 18): यह किस्म राजस्थान के सिंचित एवं उच्च उर्वरता वाली भूमियों हेतु उपयुक्त पाई गई है। इस किस्म के फूल गुलाबी एवं दाने मध्यम मोटे होते हैं। यह किस्म 100-105 दिन में पककर 17-22 क्वि/है. दाना उपज देती है एवं इसमें 0.40 प्रतिशत से अधिक वाष्पशील तेल की मात्रा पायी जाती है। यह किस्म लौंगिया रोग व चेंपा कीट के प्रति मध्यम प्रतिरोधी एवं छाछ्या रोग के प्रति सहनशील पायी गयी है। इस किस्म में आड़ी गिरने के प्रति प्रतिरोधकता भी पायी जाती है।
टमाटर	<ul style="list-style-type: none"> टमाटर फसल में फली भेदक कीट नियंत्रण हेतु कीट प्रकोप प्रारम्भ होते ही एन . पी. वी. 250 एल. ई. प्रति हैक्टर या ब्यूवेरिया बैसियाना 5 मि.ली. प्रति लीटर के तीन पर्णाय छिड़काव 15 दिन के अन्तराल पर करना प्रभावी पाया गया।
मिर्च	<ul style="list-style-type: none"> मिर्च में 7.5 टन वर्मीकम्पोस्ट तथा रासायनिक उर्वरक 70:48:50 किलो नत्रजन, फॉस्फोरस व पोटाश देने से अधिकतम उपज प्राप्त होती है। वर्मीकम्पोस्ट, फॉस्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा तथा नत्रजन की आधी मात्रा (35 किग्रा.) खेत की अन्तिम जुताई पूर्व उर कर दें एवं शेष आधी नत्रजन की मात्रा (35 किग्रा.) पौधरोपण के 25-30 दिन बाद दें। मिर्च फसल में सायमोक्सानिल 8 प्रतिशत, मेन्कोजेब 64 प्रतिशत 72 डब्ल्यू.पी. का 1.5 ग्राम प्रति लीटर या कार्बेन्डाजिम 12 प्रतिशत, मेन्कोजेब 63 प्रतिशत 75 डब्ल्यू.पी. का 2.0 ग्राम प्रति लीटर की दर से प्रथम छिड़काव पत्ती धब्बा रोग के लक्षण दिखाई देने पर एवं दूसरा छिड़काव 15 दिन बाद करने से पत्ती धब्बा रोग नियंत्रण एवं उपज की दृष्टि से प्रभावी पाया गया है।
भिण्डी	<ul style="list-style-type: none"> भिण्डी फसल में मोजेक रोग के लक्षण दिखाई देते ही डायफेन्थ्यूराॅन 50 डब्ल्यू .पी. 1.0 ग्राम प्रति लीटर या एसीटामिप्रिड 20 एस .पी. 0.2 ग्राम प्रति लीटर की दर से 15 दिन के अन्तराल पर चार छिड़काव करने से मोजेक रोग की तीव्रता में कमी तथा उपज में वृद्धि होती है।

3.5 अखिल भारतीय सम्बन्धित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत वितरित विभिन्न प्रथम पक्ति प्रदर्शन

क्र.स.	फसल का नाम	किस्म	प्रदर्शन संख्या
1	जायद मूंग	एम एच-318	05
2	उड़द	के पी यू 524-65	20
3	अरहर	आई सी पी एल-88039	10
4	सोयाबीन	आर के एस 113, एवं आर के एस 45	20
5	तिल	कोटा मसूर-1	05
6	चना	जी एन जी-1958	20
7	अलसी	के बी-3, के बी-4 पीए-1 व पीए-2	30
8	सरसों	गिरिराज	40

3.6 समन्वित जल प्रबन्धक के अन्तर्गत तकनीकी प्रदर्शन

क्र.स.	फसल का नाम	किस्म	प्रदर्शन संख्या
1	चावल	पूसा सुगन्धा-4	06
2	सोयाबीन	जे एस-95-60	18
3	गेहूं	राज-4049	18
4	गेहूं	राज-4037	48 (बारां जिले का टी एस पी क्षेत्र)

4. प्रसार शिक्षा निदेशालय

4.1 कृषि विज्ञान केन्द्रों की कृषि-जलवायु क्षेत्रवार स्थिति

कृषि जलवायु क्षेत्र	जिला	कृषि विज्ञान केन्द्र	कृषि क्षेत्र (है.)
खण्ड III (बाढ़ सम्भावित पूर्वी मैदान क्षेत्र)	करौली	एकोरासी (हिण्डौन)	20.25
	सवाई माधोपुर	करमोदा	16.58
खण्ड अ (आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदान क्षेत्र)	कोटा	बोरखेड़ा	44.00
	बून्दी	श्योपुरिया	31.43
	बारां	अन्ता	13.04
	झालावाड़	झालावाड़	10.00
योग			135.30

4.2 प्रदर्शन इकाईयाँ :

कृषि विज्ञान केन्द्रों पर किसानों, युवाओं एवं प्रसार कार्मिकों को आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी में ज्ञान और कौशल विकास हेतु एक दर्जन से अधिक मॉडल प्रदर्शन इकाईयाँ हैं, जिनमें से प्रमुख इस प्रकार हैं :

- मॉडल खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन इकाई

कृषि विज्ञान केन्द्रों पर युवाओं को खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर व्यवसायिक प्रशिक्षण देने के लिए केन्द्र पर एक मॉडल इकाई स्थापित है। जिसमें विशेष तौर से सोयाबीन के उत्पाद (सोया पनीर, दूध, आटा, न्यूट्रामील आदि), आँवला के उत्पाद (मुरब्बा, लड्डू, कैण्डी, ज्यूस, अचार आदि), लहसुन के उत्पाद (पेस्ट, चटनी, तेल, पाउडर, अचार आदि) तथा टमाटर सॉस एवं मसाला बनाने में युवाओं का कौशल विकास किया जाता है।



- मॉडल डेयरी इकाई

कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा पर युवाओं को डेयरी फार्मिंग पर व्यवसायिक प्रशिक्षण देने के लिए 16 गिर गायों की 25-30 हजार लीटर दूध प्रति वर्ष उत्पादन क्षमता की एक मॉडल डेयरी इकाई स्थापित है। जिसमें मिलक पाल्तर, मिल्किंग मशीन, बायो गैस संयंत्र आदि स्थापित किये गये हैं।

- **मॉडल नर्सरी इकाई**

कृषि विज्ञान केन्द्रों पर उच्च गुणवत्ता की रोपण सामग्री किसानों को उपलब्ध कराने हेतु केन्द्र पर एक मॉडल नर्सरी है। जिसमें करीब 50 हजार रोपण सामग्री प्रति वर्ष तैयार कर सैंकड़ों किसानों को उपलब्ध करायी जाती है। जिनमें प्रमुख रूप से (i) फलदार पौधे - पपीता, अमरूद, आम, नीबू, अनार, करौदा आदि (ii) सजावटी पौधे - गुलाब, फाईकस, वोगनविलिया, एकलीफा, एजोरा, गुलदाउदी, हारसिंगार आदि (iii) सब्जी पौधे - टमाटर, मिर्च, बैंगन, गोभी आदि शामिल हैं।



- **मातृ बगीचा**

कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता पर 1.0 हेक्टेयर क्षेत्रफल में आवलांव अमरूद का मातृ बगीचा है कृषि विज्ञान केन्द्र झालावाड़ पर संतरा, अनार, नीबू, अमरूद, अंजीर, मौसम्बी आदि का मातृ फल बगीचा एवं नर्सरी हेतु शेड नेट हाउस की सुविधा सहित है। जिनमें आवश्यकतानुसार फल, सब्जी, सजावटी पौधे तैयार कर विक्रय कर आय अर्जित की जा रही है। कृषि विज्ञान केन्द्र, करौली पर आदर्श नर्सरी ईकाई की स्थापना वर्ष 2018 में हुई जिसमें शेड नेट (75 फीट ग 40 ग 4 फीट आकार) है। कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी पर 4.5 हेक्टेयर का मातृ बगीचा उपलब्ध है जिसमें फल वृक्ष अनार (किस्म- सिन्दूरी), अमरूद (एल-49), आवलां (एन.ए.6,7,10), नीबू (कागजी), बेर (सेब, गोला), चीकू (काली पत्ती) की संख्या क्रमशः 724, 250, 60, 70, 90 व 125 है। इसी प्रकार आदर्श नर्सरी में पपीता (रेड लेडी 786), नीबू (कागजी), गुलाब (गंगानगरी) व अन्य पौधों की क्रमशः 10000, 5000, 10000, 5000 उपलब्ध है। कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर में मातृ बगीचा एवं आदर्श नर्सरी तथा ग्रीन हाउस इकाई की स्थापना वर्ष 2016-17 में की गई, जिसमें क्षेत्र के कृषकों को लगभग 6000 पपीता की पौधे तैयार कर विक्रय की गई। जिससे केन्द्र को लगभग 90000 रुपये की आय प्राप्त हुई।



- **मॉडल आई.पी.एम./ट्राईकोडर्मा इकाई**

कृषि विज्ञान केन्द्रों पर इस इकाई में प्रति वर्ष करीब 20 क्विंटल जैव फंफूदीनाशी - ट्राईकोडर्मा विरिडी तैयार कर बीज एवं भूमि उपचार हेतु संभाग में करीब 300 किसानों को उपलब्ध कराया जाता है।

- **मॉडल मधुमक्खी पालन इकाई**

युवाओं को मधुमक्खी पालन पर व्यवसायिक प्रशिक्षण देकर मधुमक्खी पालन में दक्षता विकसित करने के लिए एक मॉडल इकाई केन्द्र पर स्थित है।

- **मॉडल खनिज लवण इकाई**

कृषि विज्ञान केन्द्रों पर पशुपालकों को क्षेत्र विशेष खनिज लवण उपलब्ध कराने हेतु एक मॉडल खनिज लवण इकाई की स्थापना की गई है। जिसमें प्रति वर्ष 150-180 क्विंटल खनिज लवण तैयार कर करीब 1500 पशुपालकों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

- पादप रोग निदान इकाई

केन्द्र पर आधुनिक तकनीक से सुसज्जित पादप रोग निदान केन्द्र में जिले की प्रमुख फसलों, फल-सब्जियों में कीट एवं बीमारियों की जांच/विश्लेषण कर पहचान एवं नुकसान के स्तर का आंकलन कर तदनुसार प्रबन्धन की सिफारिश की जाती है।

- मॉडल बकरी इकाई

कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा पर युवाओं में बकरी पालन पर कौशल विकास हेतु केन्द्र पर आर.के.वी.वाई. प्रोजेक्ट के तहत 40 लाख रुपये की लागत से एक मॉडल बकरी इकाई की स्थापना की जा रही है।

- बीज उत्पादन इकाई

कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की देखरेख में सोयाबीन, उड़द, मूंग, धान, चना, धनियां, लहसुन, गेंहू, सरसों, मेंथी, अलसी आदि का नवीनतम एवं किसानों की पसंदीदा किस्मों का उच्च गुणवत्ता युक्त का 1100 क्विंटल बीज प्रति वर्ष सैंकड़ों किसानों को सीधे ही केन्द्र से उपलब्ध कराया जाता है।

- मॉडल बीज प्रसंस्करण एवं भण्डारण इकाई

तीन केन्द्रों कोटा, बून्दी, झालावाड़ पर मॉडल बीज प्रसंस्करण एवं भण्डारण इकाई की स्थापना की गई। जिसमें प्रत्येक पर 50 लाख रुपये की लागत से बीज प्रसंस्करण एवं भण्डारण इकाई की स्थापना पल्स सीड हब के तहत की गई है। जिसके तहत 3 वर्ष में दलहनी फसलों का प्रत्येक केन्द्र पर 2150 क्विंटल बीज उत्पादन कर प्रसंस्करण भण्डारण किया गया है।

- मृदा परीक्षण इकाई

कृषि विज्ञान केन्द्रों पर मृदा एवं जल परीक्षण हेतु मृदा प्रयोगशाला स्थित है। मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला में कृषकों द्वारा लाये नमूनों की जांच की जाती है तथा जांच के अनुसार उचित मार्गदर्शन किया जाता है।



- वर्मीकम्पोस्ट इकाई

कृषि विज्ञान केन्द्रों पर पर वर्मी कम्पोस्ट इकाई स्थित है जिसकी उत्पादन क्षमता 20 टन वर्मीकम्पोस्ट एवं 500 कि.ग्रा. वर्मी कल्चर प्रति वर्ष है। कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता की विक्रय क्षमता वर्मीकम्पोस्ट 53 क्वि. एवं वर्मीकास्ट 8152 कि.ग्रा. है जिससे इस वर्ष अब तक 87880 रु. की आय हुई है। कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ पर लगभग 15 टन की वार्षिक क्षमता की 20 बेड वाली इकाई द्वारा खाद एवं वर्मीकल्चर उत्पादन एवं विक्रय से आय सृजन हो रही है। कृषि विज्ञान केन्द्र, करौली पर वर्मी कम्पोस्ट इकाई की स्थापना वर्ष 2016 मे हुई जिससे इस वर्ष 30 क्विंटल उत्पादन हुआ। कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी की वर्मीकम्पोस्ट की उत्पादन क्षमता प्रति वर्ष 15 से 20 टन है। कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर पर वर्ष 2016-17 में वर्मीकम्पोस्ट इकाई स्थापित की गई, जिसमें वर्ष 2018-19 में लगभग 50 क्वि. केचुआ खाद तैयार कर विक्रय की गई। जिससे केन्द्र को लगभग 50000 रुपये की आय प्राप्त हुई। 75 किलो केचुआ तैयार किये गये, जिससे केन्द्र को लगभग 10000 रुपये की आय प्राप्त हुई।



- **प्लान्ट हैल्थ क्लिनिक**

कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ पर स्थित प्लान्ट हैल्थ क्लिनिक में कृषकों द्वारा लाये गये रोग ग्रस्त फसल नमूनों का प्रतिवर्ष निदान कर हजारों कृषकों को उचित परामर्श एवं मार्गदर्शन किया जा रहा है।

- **पशुपालन डेयरी एवं बकरी पालन**

कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी पर डेयरी इकाई में संकर गाय 06, गिर 06, बछडी 07, बछडा 04, कुल 23 जानवर है। जिनकी दूध उत्पादन क्षमता प्रति वर्ष 25000 ली. है। बकरी पालन इकाई में नस्ल -सिरोही नर 03, मादा 30, बच्चे 10 व कुल 43 हैं।

- **अजोला उत्पादन विवरण**

सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर अजोला उत्पादन इकाई स्थापित है जिससे प्रेरित होकर किसान भी अजोला उत्पादन कर रहे हैं।



- **अन्य इकाईयाँ**

I. **फार्म यार्ड पोल्ट्री** : वर्ष 2018 में कृषि विज्ञान केन्द्र अन्ता (बारां) द्वारा 46 किसानों के यहां फार्म यार्ड पोल्ट्री प्रदर्शन लगाये गये हैं, जिसमें प्रत्येक किसान को 20-20 अकलेश्वर नस्ल के चूजे उपलब्ध कराये गये हैं। प्रदर्शन हेतु केन्द्र पर भी 40-40 चूजों की 2 इकाईयों की स्थापना की गई है। जिसकी बर्ड संख्या 80 तथा उत्पादन क्षमता 30-35 अण्डे प्रति दिन है।



II. **नेपियर घास इकाई** कृषि विज्ञान केन्द्रों पर पशुओं के लिए वर्ष पर्यन्त हरा चारा उपलब्धता हेतु नेपियर घास की छोटी इकाई स्थापित की गई है जिससे कृषकों को खेतों पर इकाई स्थापना हेतु बीज उपलब्ध कराया जा रहा है।

III. **फार्म पोन्ड** : कृषि विज्ञान केन्द्र बून्दी, झालावाड़ व हिण्डौन (करौली) में वर्षा एवं छत जल संग्रहण हेतु फार्म पोन्ड की स्थापना की गई है जिसके द्वारा रबी की फसल संरक्षित जल द्वारा ली जा रही है। साथ ही केन्द्र पर स्थित बगीचों में भी सिंचाई की जा रही है।



IV. **गृह वाटिका** : ग्रामीण कृषकों के रोजमर्रा की सब्जी आवश्यकता की आपूर्ति हेतु इस इकाई की स्थापना की गई है। जिसका उपयोग विभिन्न प्रशिक्षणों, भ्रमण आदि में किया जा रहा है।

V. **गोबर गैस इकाई** कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी एवं कोटा पर 04 टन क्षमता की स्थापित है।

4.3. प्रमुख प्रसार उपलब्धियाँ :

- प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधीनस्थ कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा वर्ष 2018 में आयोजित प्रशिक्षणों का विवरणनिम्नानुसार है -



कृषि विज्ञान केन्द्र	कृषक एवं कृषक महिला प्रशिक्षण						ग्रामीण युवा प्रशिक्षण		प्रसार कार्यकर्ता प्रशिक्षण	
	संस्थागत (केन्द्र पर)		असंस्थागत (गांवों में)		प्रायोजित		प्रशिक्षण	प्रतिभागी	प्रशिक्षण	प्रतिभागी
	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	प्रशिक्षण	प्रतिभागी				
कोटा	35	1172	41	1106	3	97	12	294	4	77
अन्ता (बारां)	13	409	46	3140	3	175	1	14	2	52
बून्दी	21	721	33	1073	2	50	2	59	1	27
झालावाड़	9	247	18	394	2	99	.	.	1	25
हिण्डोन(करौली)	8	234	15	380	28	2524	.	.	7	280
सवाईमाधोपुर	16	418	31	882	40	1000	2	43	0	0
योग	102	3201	184	6975	78	3945	17	410	15	461



- प्रथम पंक्ति प्रदर्शन :

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा क्षेत्र की प्रमुख फसलों की नवीन किस्मों एवं तकनीकी के प्रदर्शन हेतु चयनित गावों में प्रथम पंक्ति प्रदर्शन आयोजित कर विभिन्न फसलों की सम्पूर्ण तकनीकी जानकारी किसानों को उपलब्ध करना महत्वपूर्ण कार्य है। वर्ष 2018 में विश्वविद्यालय अधीनस्थ विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आयोजित दलहन, तिलहन, खाद्यान्न, उद्यानिकी, चारा फसलों एवं पशुपालन पर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन निम्नानुसार हैं-



कृषि विज्ञान केन्द्र	फसल/ उद्यानिकी	फसल एवं किस्में	प्रदर्शन संख्या	क्षेत्र है.	औसत पैदावार (क्विं.)		उपज वृद्धि (प्रतिशत)	
					प्रदर्शन	स्थानीय		
अन्ता (बारां)	रबी 2017-18	सरसों-एनआरसी डीआर-2	125	50.0	21.72	18.34	18.43	
		चना-जीएनजी-1958	125	50.00	19.34	15.84	22.16	
		गेहूँ-राज-4079	60	18	49.78	43.89	13.42	
		धनिया एसीआर-1	55	20	12.65	12.95	2.32	
		लहसुन जी-282	60	10	82.46	71.13	15.93	
	जायद 2018	जायद मूंग	50	20.00	8.28	6.18	33.98	
	खरीफ 2018	सोयाबीन-जेएस 95-60	75	30.00	15.35	13.19	16.38	
		तिल-आरटी 346	75	30.00	2.46	1.78	38.20	
		उड़द-पी.यू. 31	100	40.00	4.99	3.66	36.34	
		मूंगफली-जी 20	60	20.00	9.28	8.44	09.95	
	जनजातीय उपयोजनान्तर्गत प्रदर्शन							
	रबी 2017-18	सरसों-एनआरसी डीआर-2	34	22	21.12	18.34	15.16	
	खरीफ 2018	मूंग- जीएएम 5	12	04.80	4.13	3.52	17.33	
		तिल-आरटी 346	75	30.00	2.23	1.82	22.52	
		पपीता-रेडलेडी	10	03.00	51.58	44.41	13.90	
बैंगन		10	02.00	346.67	301.57	13.01		
मिर्च		10	02.00	216.53	198.58	8.28		
टमाटर		10	02.00	387.45	319.08	17.64		
झालावाड	रबी 2017-18	सरसों (एनआरसीडीआर-2)	100	40.00	18.05	13.94	29.48	
		चना (जीएनजी-1958)	68	27.20	20.88	15.16	37.73	
		चना (जीएनजी-2171)	32	12.40	21.68	16.15	34.24	
		लहसुन (घुलनशील एनपीके)	50	25.00	82.65	66.80	23.73	
		चना (फिरोमोन ट्रेप द्वारा फली छेदक प्रबंधन)	45	18.00	12.20	9.60	27.08	
	खरीफ 2018	उड़द (प्रताप उड़द-1)	125	50.00				
		सोयाबीन (जेएस-20-29)	40	16.00				
	जनजातीय उपयोजनान्तर्गत प्रदर्शन							
	रबी 2017-18	धनिया (आरकेडी-18)	80	19.00	15.40	10.60	45.28	
		गेहूँ (राज-4079)	92	22.60	52.03	41.40	25.68	
मेथी (अजमेर मेथी-3)		50	10.00	19.05	14.35	32.75		



करौली	रबी 2017-18	सरसों	100	40	20.20	15.80	27.84	
		चना	100	40	19.64	16.00	22.75	
		चेतक (लूमर्न)	20	1.50	658.00	573.00	12.91	
		कॅन्ट (वरसीम)	25	2.00	501.00	437.00	12.86	
		जे.एच.ओ. 822 (जई)	12	1.00	454.00	360.00	20.70	
	खरीफ 2018	तिल	75	30	5.20	4.50	15.55	
		मूंग	100	40	4.75	3.60	31.94	
	जनजातीय उपयोजनान्तर्गत प्रदर्शन							
	रबी 2017-18	सरसों	95	40	19.75	16.50	16.45	
		गेहूँ	60	24	53.20	47.50	12.00	
	खरीफ 2018	तिल	110	55	5.75	4.90	17.34	
		मूंग	10	5	-	-	-	
	बून्दी	रबी 2017-18	सरसों - गिरिराज	100	40	17.95	15.57	15.29
			चना - GNG 1958	80	40	20.65	17.29	19.43
गेहूँ - राज.4238			32	12.8	51.46	45.55	12.97	
		धान की सीधी बुआई	32	12.8	40.74	42.46	4.22	
जायद 2018		ज्वार - एम.पी.चरी	10	3.2	650	500	30	
खरीफ 2018		सोयाबीन-जे.एस.20-34	70	30	16.14	14.52	11.15	
		उडद -प्रताप-1	125	50	9.53	7.42	28.43	
जनजातीय उपयोजनान्तर्गत प्रदर्शन								
रबी 2017-18		चना - GNG 1958	41	16	20.65	17.29	19.43	
		मटर - GS-10	8	1.5	104	93	11.82	
अन्य	बकरी - सिरौही	16						
	मुर्गी - प्रताप धन	54						
सवाई माधोपुर	रबी 2017-18	सरसों गिराज	125	50	18.82	15.63	20.47	
		चना जी.एन.जी. 1958	125	50	19.77	16.10	23.05	
		गेहूँ राज 4079	150	60	47.93	41.52	15.46	
		अमरुद में फल मक्खी ट्रैप का उपयोग	10	2	448	365	22.08	
		पपीता-रेड लेडी	6	1.2	1075	854	24.12	
		जई-जे.एच. ओ.822	32	3.2	366	269	36.05	
	जनजातीय उपयोजनान्तर्गत प्रदर्शन							
रबी 2017-18	सरसों गिरिराज	250	100	18.82	15.50	21.56		
कोटा	रबी 2017-18	गेहूँ (राज.4079)	40	16	48.93	43.20	13.26	
	एन.एफ.एस.एम. अन्तर्गत	चना (जीएनजी-1958)	100	40	19.06	15.48	23.12	
		सरसों (गिरिराज)	100	40	19.66	15.90	23.6	
		चना (जीएनजी-1958)	25	10	21.4	18.8	13.82	
		सरसों (गिरिराज)	44	17.6	19.15	16.10	18.95	



निकरा अन्तर्गत	गेहू (राज.4079)	15	6	52.50	50.30	4.40
	धनियां (आरकेडी-18)	25	12.5	17.6	15.80	11.40
	लहसुन (जी-282)	17	1.1	99.50	86.90	14.50
	जई (जएचओ-822)	10	4.0	298	267	11.60
खरीफ 2018						
एनएफएसएम	उडद (पीयू-31)	125	50	5.74	4.16	38.15
जनजातीय उपयोजनान्तर्गत प्रदर्शन (टीएसपी)						
रबी 2017-18	गेहू (राज.4079)	52	20.8	48.51	44.00	10.25
	चना (जीएनजी-1958)	40	16	19.78	16.25	21.72
खरीफ 2018						
टीएसपी	उडद (पीयू-31)	80	32	5.74	4.16	38.15
रबी 2018-19						
एनएफएसएम अन्तर्गत	चना(जीएनजी-1958)	125	50			
	गेहू (राज.4238)	40	16			
	सरसों (गिरिराज)	75	30			
के.वी.के. अन्तर्गत	लहसुन (जी-282)	6	1.2			
	धनियां (आरकेडी-18)	35	14			
टीएसपी अन्तर्गत	चना (जीएनजी-1958)	52	20.8			
	गेहू (राज.4079, राज. 4238)	52	20.8			
	बरसीम.बीबी-2 (चारा उत्पादन)	30	3			
	लहसुन (जी-282)	19	7.6			
	धनियां (आरकेडी-18)	40	16			
	खनिज लवण (पशुपालन)	15	15			
	लहसुन में ट्राईकोडर्मा भूमि उपचार	19	7.6			
निकरा अन्तर्गत	चना(जीएनजी-1958)	42	16.8			
	गेहू (राज.4238)	9	3.6			
	सरसों(गिरिराज)	25	10			
	धनियां(आरकेडी-18)	21	8.4			
	बरसीम -बीबी-2 (चारा उत्पादन)	40	4			
पशुपालन	स्पेशल फीडिंग (ब्याने के 2 माह पूर्व)	800	800 पशु	6.3 ली. /दिन	3.5 ली. /दिन	80



बरसीम चारा उत्पादन प्रदर्शन

रिजका चारा उत्पादन प्रदर्शन

- प्रक्षेत्र अनुसंधान परीक्षण अनुसंधान द्वारा विकसित तकनीकी का कृषक परिस्थितियों के सत्यापन हेतु विश्वविद्यालय के अधीनस्थ विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आयोजित प्रक्षेत्र अनुसंधान परीक्षण का विस्तृत ब्यौरा निम्नानुसार है-

केन्द्र का नाम	विवरण	परिणाम संस्तुति (Recommendation)
अन्ता	कद्दूवर्गीय सब्जियों की सधाई का आंकलन।	कद्दूवर्गीय सब्जियों का ट्रेलिस संरचना पर उत्पादन पद्धति (जमीन पर) से अधिक उपज एवं लाभकारी हैं।
	धान में जिंक की कमी का आंकलन	जिंक सल्फेट (25 किग्रा/हे .) तथा 0 .5 प्रतिशत का पर्णीय छिडकाव उत्तम पाया गया
	धान में नत्रजन की कमी का आंकलन	धान में 120 किग्रा . वजन/हे. तीन बराबर भागों में (एक तिहाई मात्रा रोपाई के पहले, एक तिहाई रोपाई के 30 दिन बाद एवं एक तिहाई रोपाई के 60 दिन) बांट कर देने से उपज एवं शुद्ध लाभ में सार्थक पूर्ण बढ़ोत्तरी होती है।
	खरीफ प्याज हेतु पौध उत्पादन तकनीकियों का आंकलन	खरीफ प्याज की बुवाई बीज द्वारा करने की अपेक्षाकृत गठियां द्वारा करने से अधिक उपज प्राप्त होती है।
	बगीचे में अन्तःशस्य फसलों का आंकलन	फल बगीचों में अन्तःशस्य फसलें जैसे- ग्वारपाठां व जामा रोजा की अपेक्षाकृत हल्दी की फसल उत्तम पायी गयी।
झालावाड़	सोयाबीन की कम उपज	सोयाबीन की विभिन्न किस्मों के अपेक्षाकृत जेएस-20-34 ने सर्वाधिक उपज 21.30 क्विं/है. दी एवं शुद्ध प्रतिफल 0.23 लाख/है.
	सरसों की कम उपज	सरसों की विभिन्न किस्मों में से गिरिराज ने सर्वाधिक उपज 22.50 क्विं/है.दी एवं शुद्ध प्रतिफल 0.39 लाख/है.
	धनिये की कम उपज	धनिये की विभिन्न किस्मों की तुलना में आरकेडी-18 ने सर्वाधिक उपज 14.64 क्विं/है. दी एवं शुद्ध प्रतिफल 0.27 लाख/है.
	टमाटर फसल का तकनीकी मूल्यांकन	टमाटर में फलन अवस्था पर एन:पी:के (120:80:60) किग्रा ./है. + बोरेक्स0.2 :की दर से प्रयोग करने पर उत्पादन एवं शुद्ध लाभ में सार्थक पूर्ण वृद्धि होती है।

	संतरे में काली मक्खी संक्रमण के कारण सूटी मोल्ड की व्यापकता	संतरे में काली मक्खी एवं सूटी गोल्ड के नियन्त्रण हेतु निम्नलिखित उपाय करने की सलाह दी जाती है। प्रथम प्रयोग :-पर्ण छिड़काव के रूप में ईमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल /0.5 मिली./ली. की दर से 1.0: स्टार्च के साथ मिलाकर अप्रैल के प्रथम एवं द्वितीय सप्ताह में 50 : अण्डे सेने की अवस्था पर पत्तियों की निचली सतह पर छिड़काव तथा 15 दिन पश्चात् नीम आधारित कीटनाशक का 3 मिली./ली. की दर से छिड़काव। द्वितीय प्रयोग:-जुलाई के द्वितीय एवं तृतीय सप्ताह में डाईमिथोएट 30 ईसी 2 मिली./ली. पानी में 1.0 : स्टार्च के साथ मिलाकर छिड़काव तथा 15 दिन पश्चात् नीम आधारित कीटनाशक 3 मिली./ली. एवं कार्बेन्डाजिम का 2 ग्राम/ली. की दर से छिड़काव। तृतीय प्रयोग :- पर्ण छिड़काव के रूप में दिसम्बर के प्रथम एवं द्वितीय सप्ताह में डाईमिथोएट 30 ईसी 2 मिली./ली. पानी में 1.0 : स्टार्च के साथ मिलाकर छिड़काव।
बून्दी	चने कतार से कतार की दूरी का उत्पादन पर प्रभाव	चने की बुवाई में कतार से कतार की दूरी 22 सेमी पर 19.97, 30 से.मी. पर 24.38 तथा 45 सेमी पर 23.03 किंव. पैदावार दर्ज की गई
	बून्दी जिले सरसों की विभिन्न किस्मों की उत्पादकता का आंकलन	लोकल चैक बायो 902 (17.15), की तुलना में किस्म आर.एच.749 की उपज(17.57),एन.आर.सी.एच.बी.-1 की(19.21),डी.आर.एम.आर.आई.जे.-31 की (20.99) तथा एन.आर.सी.डी.आर.-2की (18.40),पायी गई जो लोकल चैक से क्रमशः 2.45,12.01,22.39 तथा 7.29 प्रतिशत अधिक दर्ज की गई।
	धान में भूरा फुदका का प्रबन्धन	किसान की तकनीक में धान की उपज 41.25 किंव. तथा परीक्षण क्षेत्र की उपज 51.25 किंव. प्रति हैक्टर दर्ज की गई जो कि 19.51 प्रतिशत अधिक पायी गई।
सवाई माधोपुर	अमरुद बगीचा में फल मक्खी प्रबन्धन	10 फल वृक्षों पर एक फल मक्खी ट्रैप लगाने एवं नीम आधारित कीटनाशक 3 मिली. प्रति लीटर पानी में 10 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करने से 5.85 लाख रुपये प्रति है.शुद्ध आमदनी हुई तथा 25.94 प्रतिशत उपज में वृद्धि हुई।
	अमरुद में निमेटोड प्रबन्धन	पौध रोपण के समय पौधे की जड़ को कार्बोसल्फान 1.5 मिली./लीटर पानी के घोल में 5 से 7 मिनट डुबोयें व कार्बोफ्यूरान 3 जी 40 ग्राम 1 वर्ष के पौधे, 80 ग्राम 2 वर्ष के पौधे व 100 ग्राम 3 वर्ष के पौधे के चारों तरफ मिट्टी में मिलावें। इससे 80 प्रतिशत पौधे जीवित पाये गये।
	भैंसों में विशेष आहार का प्रभाव	कृषक पद्धति 1 किलो कपास खल के साथ 100 ग्राम मिश्रण खिलावें (मिश्रण : 20 ग्राम शतावरी, 20 ग्राम मेथी, 20 ग्राम अजवाइन व 40 ग्राम खनिज लवण) इससे भैंसों में 23.59 प्रतिशत दूध उत्पादन में वृद्धि हुई।
कोटा	सरसों किस्मों का मूल्यांकन	कोटा जिले में सिंचित व समय पर बुवाई के लिये सरसों की नवीन किस्म "गिरिराज" सबसे उपयुक्त पाई गई। इस नवीन किस्म ने कृषक खेतों पर अधिकतम पैदावार (22.71 किंव./है.) दी। जो एन आर सी डी आर-02 किस्म की तुलना में 18.3 प्रतिशत अधिक थी।
	चने की फसल में उखठा रोग का प्रबन्धन	कोटा जिले में चना रबी की एक महत्वपूर्ण फसल है, जिसमें बुवाई के बाद उखठा रोग का प्रकोप देखा जाता है जो बीज जनित रोग है जिसको रोकने के लिए ट्राइकोडर्मा 4 से 6 ग्राम दवा/किलो चने के बीज को उपचारित कर बुवाई करना लाभदायक पाया गया है।

<p>लहसुन फसल में जड़ गलन रोग प्रबन्धन</p>	<p>लहसुन की फसल में जड़ गलन रोग के प्रबन्धन हेतु ट्राइकोडर्मा 6 ग्राम/किलो बीज का उपचार लाभदायक पाया गया है।</p>
<p>देशी गायों में प्रजनन दर बढ़ाने में ओवसिंच प्रोटोकॉल (मदकाल संक्रमण तकनीक) का मूल्यांकन</p>	<p>देशी गायों में दो ब्यात का अन्तराल ज्यादा (18 से 24 माह) होने के कारण पशुपालन व्यवसाय अलाभदायक होने लग जाता है। गाय-भैंस को ब्याने के 2-3 माह बाद वापस गर्भित करवाने पर दो ब्यात का अन्तराल 12-14 माह तक लाकर पशुपालन व्यवसाय को लाभदायक बनाया जा सकता है। ब्याने के 2-3 माह बाद तक गर्मी/पाली/हीट में नही आने वाली मादा पशुओं को राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल द्वारा विकसित ओवसिंच प्रोटोकॉल तकनीक जिसके अन्तर्गत ब्याने के 55-60 दिन बाद प्रथम दिन रिसेप्टाल (जी.एन.आर.एच) 2.5 मि.ली., आठवें दिन ल्यूटेलाइज (पी.ज.एफ. अल्फा-2) 5.0 मि.ली. एवं 10वें दिन वापस रिसेप्टाल (जी.एन.आर.एच) 2.5 मि.ली. का इंजेक्शन लगाया जाता है। इसके बाद 12 एवं 24 घण्टे पश्चात दो बार उच्च गुणवत्तायुक्त नंदी के सीमन से गर्भित करवाया जाता है। सामान्य रूप से मद मे आई गायों को गर्भित करवाने पर गर्भित होने की दर 55 प्रतिशत के विरुद्ध ओवसिंच प्रोटोकॉल तकनीक से मद में लाई गयी गायों के गर्भित होने की दर 80 प्रतिशत पाई गयी। जो सिद्ध करता है कि ओवसिंच प्रोटोकॉल तकनीक के उपयोग से गायों की गर्भधारण की दर को बढ़ाकर 2 ब्यात का अंतराल कम कर पशुपालन व्यवसाय को लाभदायक बनाया जा सकता है।</p>
<p>दुधारू पशुओं की दूध उत्पादकता एवं प्रजनन दर वृद्धि में मिनरल मिक्सचर (पशु आहार सम्पूरक) के प्रभाव का मूल्यांकन</p>	<p>देशी गायों की दूध उत्पादकता का कम होने का प्रमुख कारण निम्न स्तरीय आहार प्रबन्धन एवं मिनरल मिक्सचर नहीं दिया जाना है। दूध के साथ निकलने वाले खनिजों की पूर्ति करने तथा गोवंश के शरीर की सामान्य वृद्धि दर, प्रजनन दर एवं उत्पादन के स्तर को बनाये रखने के लिए पशु आहार के साथ मिनरल मिक्सचर नियमित रूप से दिया जाना होता है। कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा पर पशु आहार सम्पूरक(मिनरल मिक्सचर, केवीकेमिन) की उपयोगिता का मूल्यांकन किया गया एवं पाया गया कि प्रथम ग्रुप में केवल पशु आहार एवं द्वितीय ग्रुप में पशु आहार के साथ 50 ग्राम मिनरल मिक्सचर देने के उपरान्त अवलोकन करने पर पाया गया कि प्रथम ग्रुप के पशुओं का दूध उत्पादन 5.0 लीटर प्रतिदिन एवं द्वितीय ग्रुप के पशुओं का दूध उत्पादन 5.8 लीटर प्रतिदिन पाया गया। साथ ही मिनरल मिक्सचर ग्रहण करने वाली गायों की प्रजनन दर में भी 30-50 प्रतिशत तक वृद्धि पायी गयी। इस प्रकार से सिद्ध होता है कि 50 ग्राम मिनरल मिक्सचर की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने पर पशुओं की दूध उत्पादकता एवं प्रजनन दर में वृद्धि में सहायक है।</p>

• अन्य प्रसार गतिविधियां :

विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों द्वारा वर्ष 2018 में निम्न प्रसार गतिविधियां आयोजित की गयी -

क्र.सं.	प्रसार गतिविधि का नाम	संख्या	कुल प्रतिभागी संख्या
1.	कृषि शिक्षा दिवस	2	393
2.	विश्व शहद दिवस	2	166
3.	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस	4	386
4.	विश्व पर्यावरण दिवस	2	155
5.	स्वच्छता पखवाड़ा	7	631
6.	प्रदर्शनियां	9	3626
7.	प्रक्षेत्र दिवस	5	285
8.	कृषि विज्ञान मेला	2	7328
9.	वैज्ञानिकों का कृषक खेत पर भ्रमण	269	2356
10.	कृषि तकनीकी फिल्म शो	10	384
11.	राष्ट्रीय महिला किसान दिवस	6	417
12.	किसान गोष्ठी	9	720
13.	किसानों का केन्द्र पर भ्रमण		4545
14.	टेलिफोन से समस्या समाधान	8640	4334
15.	समाचार पत्र कवरेज	66	-
16.	वैज्ञानिक व्याख्यान	93	5000
17.	किसान परियोजना प्रस्ताव	16	-
18.	सफलता की कहानी प्रकाशन	85	-
19.	मृदा पानी जांच	5000	5000
20.	मृदा एवं पानी जांच अभियान	9	232
21.	कृषक कल्याण अभियान	25	2729
22.	नाडेप कम्पोस्ट पिट निर्माण	15	300
23.	कृषि तकनीकी फिल्म शो	22	1144
24.	कृषक वैज्ञानिक संवाद	4	273
25.	आईसीएआर दिवस (16 जुलाई 2018)	1	20
26.	वन महोत्सव कार्यक्रम (31 अगस्त 2018)	1	48
27.	महात्मा गांधी जयंती (02 अक्टूबर 2018)	2	86
28.	गांव गोद कार्यक्रम	16	1570
29.	अन्तर्राष्ट्रीय मृदा दिवस	6	505
30.	संकल्प से सिद्धि-न्यू इंडिया मंथन	1	400
31.	किसान कल्याण दिवस	-	1318
32.	विश्व पर्यावरण दिवस	-	98
33.	पौध किस्म संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम	-	105
34.	सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम	-	57
	योग :	16453	44657



Celebration of Parthenium Eradication Day 2018 at KVK Karauli



चना फसल जीएनजी-1958 पर प्रक्षेत्र दिवस



गांव राजपुरा में वैज्ञानिकों द्वारा खेत भ्रमण



गांव खजूरीकलां में प्रथम पंक्ति प्रदर्शन चना में फली छेदक प्रबंधन में फिरोमोन ट्रेप की उपयोगिता की जानकारी देते हुए



टीएसपी के अन्तर्गत गांव खजूरीकलां में किनोवा की उपयोगिता एवं खेती की जानकारी देते हुए



केन्द्र पर आयोजित कृषक वैज्ञानिक संवाद



जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में केन्द्र के वैज्ञानिकों की सहभागिता



डॉ. एस.के. सिंह , निदेशक, अटारी, जोधपुर के द्वारा प्रगतिशील किसान श्री रवीन्द्र स्वामी के पॉलीहाउस, खानपुर का अवलोकन



आईसीएआर स्थापना (16 जुलाई 2018) दिवस का आयोजन



केन्द्र पर दिनांक 31 अगस्त 2018 को वन महोत्सव कार्यक्रम के दौरान वृक्षारोपण



दिनांक 15 अक्टूबर 2018 को केन्द्र में महिला किसान दिवस का आयोजन

4.4 राष्ट्रीय महिला किसान दिवस -

विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र (अन्ता, झालावाड़, करौली, बून्दी, कोटा, सवाईमाधोपुर) पर राष्ट्रीय महिला किसान दिवस दिनांक 15 अक्टूबर, 2018 को आयोजित किया गया। महिलाओं को अपने घर में सब्जी उत्पादन गृह वाटिका में सब्जी उत्पादन, कृषि में छात्राओं को दी जाने वाली छात्रवृत्ति तथा कृषि में विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी गयी। उक्त कार्यक्रम में विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों पर 368 महिलाओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।





Celebration of Mahila Kisan Diwas at KVK Karauli on 15.10.18

4.5 वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक :

वर्ष 2018 में कृषि विज्ञान केन्द्र झालावाड़, अन्ता (बारां), कोटा, बूंदी में दिनांक क्रमशः 18, 19, 20 व 21 दिसम्बर 2018 में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठकों का आयोजन माननीय कुलपति महोदय कृषि विश्वविद्यालय कोटा/निदेशक प्रसार शिक्षा की अध्यक्षता एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के प्रतिनिधि की उपस्थिति में किया गया। जिसमें केन्द्रों का प्रतिवेदन एवं आगामी वार्षिक कार्य योजना सलाहकार समिति के सदस्यों के सहयोग से तैयार की गई। स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार नवीन प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन कर प्रदर्शन किया जाये केन्द्र पर कृषि कौशल विकास प्रशिक्षण को ओर बढ़ावा दिया जाये, देश के किसानों की आय दुगुना करने के लिए खेती के साथ उद्यानिकी, पशुपालन, जैविक खेती, मधुमक्खी पालन, मछली पालन, आदि सभी आयामों को एक साथ किसानों तक पहुँचाना, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के साथ मिलकर स्ट्रॉबेरी को बढ़ावा दें जैसे कई निर्णय लिये गये।



4.6 मेरा गाँव मेरा गौरव

कृषि विज्ञान केन्द्रों पर इस कार्यक्रम के तहत किसानों के गांवों में प्रशिक्षण, प्रदर्शन व प्रक्षेत्र अनुसंधानों का आयोजन किया गया। वैज्ञानिकों ने गोद लिए हुए गांवों के किसानों को लाभ पहुंचाने हेतु विभिन्न कार्यक्रम जैसे कि प्रशिक्षण (संस्थागत एवं असंस्थागत), क्लस्टर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, प्रक्षेत्र भ्रमण, प्रक्षेत्र दिवस आदि करवाए। नई तकनीकियों का प्रभावी एवं तीव्र गति से स्थानान्तरण करने हेतु तकनीकियों की जानकारी किसानों तक सही समय तक पहुंचाई गई। खरीफ 2018 में मूंग व तिल के प्रथम पंक्ति समूह प्रदर्शन एवं प्रक्षेत्र दिवस तथा रबी 2018-19 में चना व सरसों के प्रथम पंक्ति समूह प्रदर्शन आयोजित किये गये केन्द्र पर प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं विभिन्न प्रसार गतिविधियों के द्वारा कृषकों को लाभान्वित किया गया।

4.7 कृषक उत्पादक संगठन

कृषि विज्ञान केन्द्र बून्दी द्वारा कुरेल किसान प्रोड्यूसर कम्पनी गठन कर सफल संचालन किया जा रहा है। कम्पनी का शुभारम्भ माननीय कुलपति महोदय प्रो० जी.एल. केशवा द्वारा 07 फरवरी 2018 को किया गया। कम्पनी ने अब तक कुल 12 गावों के 650 सदस्यों को जोड कर 6.50 लाख हिस्सा राशि एकत्र कर विभिन्न गति विधियों जैसे आदान प्रबन्धन ,संतुलित पशु आहार ,दूध का प्रसंस्करण एवं बीज उत्पादन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का संचालन किया जा रहा है।



कम्पनी ने वर्ष 2017-18 मे निम्न प्रकार व्यवसाय किया-

क्र.स.	विवरण	मात्रा	राशि रु(लाखों में)
1.	उर्वरक बिक्री	4140 बैग	15.65
2.	बीज बिक्री	747 क्वि.	18.46
3.	पेस्टीसाईड बिक्री	1617 ली.	07.66
4.	पशु आहार	378 क्वि.	07.95
5.	दुग्ध प्रसंस्करण	22492 ली.	07.64
6.	बीज उत्पादन	1369 क्वि.	25.71
	कुल व्यवसाय		83.01

4.8 कृषक कल्याण अभियान

करौली एवं बारां जिले में गाँवों का चयन कृषक कल्याण अभियान के तहत, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा किया गया। जिनके अर्न्तगत कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डोन (करौली) एवं अन्ता (बारां) द्वारा संस्थागत एवं असंस्थागत प्रशिक्षण, किसान गोष्ठी आदि किये गये तथा नैडेप कम्पोस्ट किट, मिनी किट एवं कृषि यंत्रों का वितरण किया गया।

जिनका विवरण निम्न प्रकार है-

क्र.सं.	गतिविधि	संख्या	लाभार्थी
कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डोन (करौली)			
1	संस्थागत प्रशिक्षण	01	50
2	असंस्थागत प्रशिक्षण	25	2607
3	नैडेप कम्पोस्ट पिट निर्माण	300	300
4	मिनी किट वितरण- तिल	3800	3800
5	मिनी किट वितरण- मूंगफली	600	600
6	फलदार पौध वितरण	10500	10500
7	मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण	8419	8419
8	पशुओं में टीकाकरण	29648	1275
9	पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान	1275	1275
10	कृषि यंत्र वितरण	255	255
11	सूक्ष्म सिंचाई इकाई स्थापना	01	केवीके पर
कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बारां)			
1	स्वयं सहायता समूह गठन	-	10350
2	प्रदर्शन संख्या	4160	4160
3	पौध वितरण	12500	
4	टीकाकरण	24458	
5	पी पी आर	7578	
6	एल	2241	





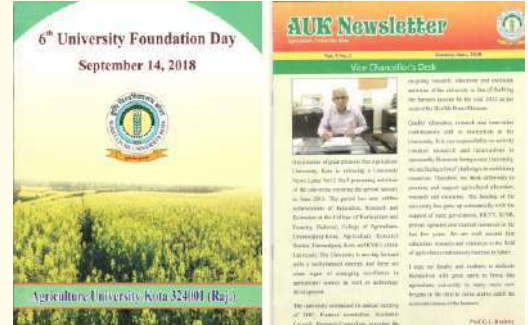
4.9 कृषि पंचांग :

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा कृषि पंचांग-2018 की 10000 प्रतियां प्रकाशित की जिसमें माह में होने वाले प्रमुख कृषि, उद्यानिकी एवं डेयरी के बारे में जानकारी प्रदान होती है। माननीय कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा दिनांक 08 जनवरी 2018 को वरिष्ठ अधिकारी परिषद की बैठक के दौरान उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ में इस कृषि पंचांग का विमोचन किया। इस पंचांग से कृषकों को खेती की पूर्ण जानकारी मिलती है।



5. निदेशालय प्राथमिकता, निगरानी व मूल्यांकन :

- इस निदेशालय का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों में प्राथमिकता के आधार पर नये कार्यक्रमों की योजना एवं उनके विकास व संचालन की समीक्षा करना है। वर्ष 2018 में इस निदेशालय द्वारा निम्न प्रकाशन किये गये-
- विश्वविद्यालय के विभिन्न इकाईयों तथा महाविद्यालयों के सभी निदेशालयों, कुलसचिव, वित्त नियंत्रक, परीक्षा नियंत्रक एवं सम्पदा अधिकारी द्वारा किये गये कार्यों की उपलब्धियों का संकलन कर वार्षिक प्रतिवेदन 2017-18 प्रकाशित किया गया।



- कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का पंचम न्यूज लैटर जनवरी से जून, 2018 तैयार किया गया।
- विश्वविद्यालय के षष्ठम स्थापना दिवस पर "सोविनियर 2018" का विमोचन राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, श्री जे.पी.सिंघल द्वारा किया गया।

6. परीक्षा नियंत्रक :

परीक्षा नियंत्रक कार्यालय विद्यार्थियों के पंजीयन, माईग्रेसन, परीक्षा का संचालन, परिणामों की घोषणा एवं विश्वविद्यालय के सभी छात्रों की उपाधियों की तैयारी से संबंधित है। सभी परिणामों की घोषणा समय पर की गई। कुल 178 स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए।

7. सम्पदा कार्यालय :

सम्पदा अधिकारी द्वारा विश्वविद्यालय में विभिन्न निर्माण कार्यों को गति दी जा रही है। साथ ही विश्वविद्यालय में विभिन्न निर्माण एजेंसियों द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग भी की जा रही है। इनमें निम्न गतिविधियां मुख्य हैं-

वर्ष 2018-19 में पूर्ण किये गये कार्य

क्र.सं.	कार्य का नाम	कुल खर्च (लाख में)
1	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, अकलेरा में कुएं, बाउंडरी वॉल, थ्रेशिंग फ्लोर शेड एवं इंप्लीमेंट शेड का निर्माण कार्य	83.79
2	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, खानपुर में थ्रेशिंग फ्लोर शेड एवं इंप्लीमेंट शेड, भवन मरम्मत, बाउंडरी वॉल, सडक एवं वॉचमैन हॉट का निर्माण कार्य	117.13
3	प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा में कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र के भवन का निर्माण कार्य	110.00
4	यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज, कोटा में एनिकट माइनर-2 का क्रॉस डेनेज, बाउंडरी वॉल, ट्यूब वेल, इलेक्ट्रिक लाइन, इम्प्लीमेंट शेड निर्माण कार्य	70.48
5	कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा में भूमिगत सिंचाई सिस्टम/पाईप लाईन, भवन/स्टॉफ क्वार्टरर्स मरम्मत, मवेशी शेड एवं चारा इकाई, ट्यूबवेल, गोदाम निर्माण कार्य	81.20
6	कृषि विज्ञान केन्द्र, बोरखेड़ा कोटा पर बाउंडरी वॉल, बकरी शेड, ट्यूबवेल का निर्माण कार्य	70.00
7	कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन, में आर.के.वी.वाई. के अन्तर्गत बाउंडरी वॉल	30.00
8	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ पर गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण, ड्रिप सिस्टम कार्य	24.22
9	कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर, में आर.के.वी.वाई. के अन्तर्गत बाउंडरी वॉल, ट्यूबवेल का निर्माण कार्य एवं बिजली की पाइपलाइन का कार्य	16.50
10	कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी में आर.के.वी.वाई. के अन्तर्गत बाउंडरी वॉल का निर्माण कार्य	5.00
	कुल योग	608.32

वर्ष 2018-19 में प्रगतिरत कार्य (सम्पदा कार्यालय द्वारा)

क्र.सं.	कार्य का नाम	स्वीकृत राशि (लाख में)
1	विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन एवं कुलपति आवास का निर्माण राजस्थान राज्य सड़क एवं विकास निर्माण निगम के द्वारा	1277.00
2	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, अकलेरा में आर.के.वी.वाई. के अन्तर्गत कुएं का निर्माण कार्य	18.00
3	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, अकलेरा में आर.के.वी.वाई. के अन्तर्गत बाउंडरी वॉल का निर्माण कार्य	31.00
4	कृषि विश्वविद्यालय कोटा में जल संचयन संरचना का निर्माण कार्य	70.00
5	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, अकलेरा में आर.के.वी.वाई. के अन्तर्गत मेशनरी बाउंडरी वॉल का निर्माण कार्य	13.00
6	कृषि महाविद्यालय कोटा में महिला छात्रावास के भवनों की मरम्मत और नवीनीकरण का कार्य	100.33
7	कृषि महाविद्यालय कोटा में छात्रावास के भवनों की मरम्मत और नवीनीकरण का कार्य	30.00
8	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ पर मरम्मत व नवीनीकरण, आधुनिकीकरण कार्य	81.00
9	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ पर छात्रावास रोड़ की मरम्मत व नवीनीकरण, का कार्य	37.00
10	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, खानपुर में सिविल मरम्मत कार्य	4.80
	कुल योग	1662.13

8. मानव संसाधन :

विश्वविद्यालय में आयोजना व आयोजना भिन्न मदों में कुल 465 पद स्वीकृत है जिनमें से 179 पद रिक्त हैं इन स्वीकृत रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया का कार्य प्रगति पर है।

विश्वविद्यालय में स्वीकृत, भरे व रिक्त पद :

क्र. सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद			भरे पद			रिक्त पद		
		आयोजना	आयोजना भिन्न	कुल	आयो जना	आयोजना भिन्न	कुल	आयोजना	आयोजना भिन्न	कुल
1	प्रशासनिक पद	9	2	11	6	1	7	3	1	4
	कुल	9	2	11	6	1	7	3	1	4
2	शैक्षणिक पद									
i	आचार्य	2	6	8	-	1	1	1	6	7
ii	सह-आचार्य	19	11	30	13	9	22	6	2	8
iii	सहायक आचार्य	87	44	131	49	35	84	38	9	47
	कुल	108	61	169	62	45	107	45	17	62
3	अशैक्षणिक पद									
i	लिपिक वर्गीय	52	28	80	13	13	26	39	15	54
ii	तकनीकी कर्मचारी	77	51	128	45	40	85	32	11	43
iii	चतुर्थ श्रेणी कर्म.	38	39	77	30	31	61	08	08	16
	कुल	167	118	285	88	84	172	79	34	113
सकल योग:		284	181	465	156	130	286	127	52	179

9. वित्त एवं लेखा :

वर्ष 2018-19 में विश्वविद्यालय, कोटा को कृषि शिक्षा, कृषि अनुसंधान, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद व निजी संस्थाओं से विभिन्न मदों में 4678.76 लाख रुपये का बजट स्वीकृत हुआ है।

बजट विवरण :

(राशि रू. लाखों में)

क्र.सं.	विवरण	बजट 2018-19	व्यय नवम्बर 2018 तक
1	विश्वविद्यालय निजी आय	256.90	256.90
2	राज्य निधि मद (Other than scheme Part I) राज्य सरकार	800.00	746.90
3	राज्य निधि मद राज्य सरकार		
3.1	31213 - कृषि शिक्षा (विश्वविद्यालय हेतु)	1021.49	698.60
3.2	राष्ट्रीय कृषि विकास योजना	655.53	352.02
3.3	31213 - कृषि अनुसंधान (25 प्रतिशत राज्य निधि)	184.14	144.61
	कुल योग (3)	1861.16	1195.23
4	कृषि अनुसंधान (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) 75 प्रतिशत	483.69	433.80
5	कृषि विज्ञान केन्द्र (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) 100 प्रतिशत	1235.46	1088.37
6	निजी परियोजनाएं	41.55	24.45
	कुल स्वीकृत बजट व व्यय	4678.76	3745.65

10. बीज उत्पादन कार्यक्रम :

विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों द्वारा वर्ष 2018 में बीज उत्पादन का विस्तृत ब्यौरा निम्नानुसार है-

10.1 रबी 2017-18

बीज उत्पादन क्विंटल में

फसल	प्रजनक बीज उत्पादन	सत्यचिन्हित बीज (TL) उत्पादन	आधार/प्रमाणित बीज उत्पादन	कुल बीज उत्पादन
गेहूँ	4948.75	1829.70	155.46	6933.91
जौ	-	3.00	-	3.00
चना	1385.31	242.77	503.50	2131.58
सरसों	27.50	974.79	-	1002.29
धनियाँ	43.75	139.04	72.45	255.24
मैथी	12.65	9.20	-	21.85
मटर	40.36	-	18.20	58.55
मसूर	51.53	-	-	51.53
अलसी	26.10	2.00	15.09	43.19
लहसुन	-	50.00	-	50.00
तारामीरा	-	4.63	-	4.63
ढैचा	-	2.28	-	2.28
बरसीम	-	2.30	-	2.30
क्विनोआ	-	2.30	-	2.30
कुल	6535.95	3262.01	764.7	10562.65

10.2 खरीफ 2018-19

बीज उत्पादन क्विंटल में

फसल	प्रजनक बीज उत्पादन	सत्यचिन्हित बीज (TL) उत्पादन	आधार/प्रमाणित बीज उत्पादन	कुल बीज उत्पादन
सोयाबीन	1402.74	-	37.50	1440.24
धान	12.15	686.00	-	698.15
चंवला	-	-	-	-
मूंग	25.10	-	-	25.10
उड़द	235.83	6.62	8.50	250.95
ढैचा	-	0.50	-	0.50
भिंडी	-	-	-	-
तिल	-	-	-	-
ग्वार	-	0.44	-	0.44
अरहर	-	-	-	-
कुल	1675.82	693.56	46.00	2415.38
कुल (रबी + खरीफ)	8211.77	3955.57	810.7	12978.03

11. पुरस्कार/सम्मान :
11.1 शिक्षक /वैज्ञानिक :

क.सं.	प्राप्तकर्ता का नाम एवं पद	स्थान	पुरस्कार का नाम	प्रायोजक
1	डॉ. रामराज मीणा, वैज्ञानिक, उद्यान विज्ञान	सियाम, जयपुर	एग्रीकल्चर एजुकेशन प्रमोशनल पुरस्कार	हलधर टाईम्स एवं आर.ए.एस.ए.
2	डॉ. रामराज मीणा, वैज्ञानिक, उद्यान विज्ञान	जयपुर	प्रशंसा पुरस्कार	अखिल भारतीय जैविक महाकुम्भ, जयपुर
3	डॉ. रामराज मीणा, वैज्ञानिक, उद्यान विज्ञान	झालावाड़	प्रशंसा पुरस्कार	पीडी-आत्मा, झालावाड़
4	डॉ. हरीश वर्मा, वैज्ञानिक, कीट विज्ञान	झालावाड़	प्रशंसा पुरस्कार	पीडी-आत्मा, झालावाड़
5	डॉ. रामराज मीणा, वैज्ञानिक, उद्यान विज्ञान	नान्ता फार्म, कोटा	प्रशंसा पुरस्कार	एनएचएम
6	कुं. प्रियांशु त्रिपाठी, विषय विशेषज्ञ ,गृह विज्ञान	लुधियाना	प्रशंसा पत्र	भ.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कटाई उपरांत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना
7	डा. बी. एल. मीना सहायक प्राध्यापक	मेरठ, यू.पी.	प्रसार वैज्ञानिक उत्कृष्टता पुरस्कार	द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस, ए.बी. ए.एस.-2018 स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, यू.पी.
8	डा. चमनदीप कौर	लुधियाना, पंजाब	प्रशंसा पुरस्कार	केन्द्रीय कटाई उपरान्त अभियान्त्रिकी एवं प्रद्योगिकी संस्थान, भा.कृ.अनु.परि., लुधियाना, पंजाब
9	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	उदयपुर	श्रेष्ठ प्रदर्शनी	इण्डियन सोसायटी आफ एग्रोनोमी

11.2 कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से कृषक सम्मान

पुरस्कार का नाम	प्राप्तकर्ता	प्रायोजक	दिनांक
आधुनिक किसान पुरस्कार	श्री बालमुकुन्द डांगी	Y4D, न्यू इंडिया कॉन्क्लेव, नई दिल्ली	16 जुलाई 2018
जगजीवन राम अभिनव कृषक पुरस्कार	श्री इब्ने हसन, रानीबडौद	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद	चयनित

12. प्रकाशन

क्र. सं.	विवरण	इकाई का नाम				
		शिक्षा	अनुसंधान निदेशालय	प्रसार शिक्षा निदेशालय	पी.एम.एण्ड ई. निदेशालय	कुल
1	पुस्तिका, प्रयोगशाला संदर्शिका, प्रसार साहित्य	16		1		17
2	तकनीकी बुलेटिन	5				5
3	पुस्तक	2				2
4	शोध पत्र एवं लेख	31	26	10	5	72
5	न्यूज लेटर जनवरी से जून 2018				1	1
6	सोविनेयर				1	1
7	वार्षिक प्रतिवेदन			6	1	7

8	तकनीकी रिपोर्ट			3		3
9	प्रशिक्षण मार्गदर्शिका			1	1	2
10	बुकलेट			1		1
11	फोल्डर	4		16	1	21
12	डॉक्यूमेन्ट्री				1	1
	कुल	58	26	38	11	133

13. आकाशवाणी/दूरदर्शन कार्यक्रम

क्र. सं.	विवरण	इकाई का नाम				कुल
		शिक्षा	अनुसंधान निदेशालय	प्रसार निदेशालय	पी.एम.एण्ड ई. निदेशालय	
1.	न्यूज कवरेज	6	8	21		35
2.	रेडियो प्रसारण			19	2	21
3.	सजीव फोन-इन-कार्यक्रम			6	3	9
4.	फोन ईन कार्यक्रम/ रेडियो वार्ता			30	3	33
5.	टेलिफोन पर सलाह	54		98000		98054
6.	टेलीविजन वार्ता	8		103		111
	कुल	68	8	98179	8	98263

14. प्रतिष्ठित व्यक्तियों का विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों में भ्रमण

क्र.स.	नाम एवं पद	दिनांक	प्रयोजन
1	श्री दुष्यंत सिंह, सांसद, बारां-झालावाड़ संसदीय क्षेत्र	24 सितम्बर 2018	महाविद्यालय में स्थापित मधुमक्खी पालन केन्द्र का उद्घाटन
2	डॉ. एस.के.सिंह, निदेशक, अटारी, जोधपुर	20 जून व 26 जून 2018	महाविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ की विभिन्न परियोजनाओं का अवलोकन
3	श्री जे.एल.अक्कर, अनुसंधान विशेषज्ञ, वाघेमेघन यूनिवर्सिटी ऑफ रिसर्च, नीदरलैण्ड	25 मार्च-15 अप्रैल 2018	अखिल भारतीय समन्वित कृषि प्रणाली परियोजना का अवलोकन तथा हाड़ौती क्षेत्र के किसानों की फसल प्रणाली व जीवन पद्धति का सूक्ष्म स्तर पर निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करना
4	डॉ. पी.एस.राठौड़, कुलपति, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	26 जुलाई 2018	केन्द्र पर संचालित विभिन्न परियोजनाओं तथा बीज उत्पादन कार्यक्रम का अवलोकन
5	डॉ. ए.एस.परमार, निदेशक, अखिल भारतीय समन्वित कृषि प्रणाली संस्थान, मोदीपुरम	25 अगस्त 2018	अखिल भारतीय समन्वित कृषि प्रणाली परियोजना का निरीक्षण एवं मूल्यांकन
6	डॉ. जे.पी.सिंघल, पूर्व कुलपति, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर	26 फरवरी 2018 एवं 14 सितम्बर 2018	कृषि महाविद्यालय, कोटा पर संचालित शिक्षण कार्य एवं अनुसंधान केन्द्र की अनुसंधान गतिविधियों का अवलोकन
7	डॉ. ए.के.सिंह, डीडीजी, (कृषि प्रसार), आई सी ए आर, नई दिल्ली	24 फरवरी 2018	विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण

8	डॉ. एन.एन.पाठक, पूर्व कुलपति, जे. एन.के.वी.वी., जबलपुर	26 फरवरी 2018	विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों का भ्रमण
9	डॉ. ए.के.व्यास, अतिरिक्त निदेशक, आई.सी.ए.आर, नई दिल्ली	23 मार्च 2018	विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों का भ्रमण
10	डॉ. गोविन्द सिंह, पूर्व निदेशक अनुसंधान, एस.के.आर.ए.यू., बीकानेर	20 अप्रैल 2018	विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों का भ्रमण
11	डॉ. वी.पी.चहल, अतिरिक्त निदेशक (प्रसार), आई.सी.ए.आर, नई दिल्ली	21 अप्रैल 2018	विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों का भ्रमण
12	डॉ. जे.एम.पंवार, पूर्व निदेशक (प्रसार), एम.पी.यू.ए.टी, उदयपुर	21 अप्रैल 2018	विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों का भ्रमण
13	डॉ. जे.पी.शर्मा, संयुक्तनिदेशक (प्रसार), आई.ए.आर.आई, नई दिल्ली	21 अप्रैल 2018	विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों का भ्रमण

15. शोधपत्र एवं लेख

1. मोहम्मद यूनुस, वर्मा अर्जुन, वर्मा हरीष, नागर अरविन्द एवं रुण्डला सेवाराम (2018) "झालावाड़ जिले के लिए ऊष्मागत तनाव स्थिति हेतु गेहूँ की किस्में" इण्डियन सोसायटी ऑफ एग्रोनोमी
2. मोहम्मद यूनुस, वर्मा अर्जुन, वर्मा हरीष, नागर अरविन्द एवं रुण्डला सेवाराम (2018) "वैज्ञानिक तरीके से सोयाबीन की उन्नत खेती" राजस्थान, खेती प्रताप, वोल्यूम 12, पेज 8-9
3. Tiwari Mamta (2018). Nutraceuticals for upliftment of agriculture economy nutritional status and therapeutic recognition, Agriculture Updates, Vol.-13 No.-1
4. Tiwari Mamta & Sanadya Gunjan (2018). Sustainable development through woman entrepreneurship. Asian Journal of Home Science, Vol.-13 No.-1
5. Tiwari Mamta & Tiwari Vijya (2018). Therapeutic Recognition of Nutraceuticals for Health Benefits and Economic Upliftment of farming community. International journal of current microbiology and applied science, Vol.-13 No.-1
6. Tiwari Mamta & Sanadya Gunjan (2018). Agro based Minor fruits Value Addition for Up-gradation by quality assessment & acceptance through hedonic scores of organoleptic attributes. Agriculture Updates, Vol.-13 No.-1
7. Tiwari Mamta & Sanadya Gunjan & Gupta Khushboo (2018). Opportunities & Empowerment among rural youth through Small Scale Soya Processing Unit of Paneer (Tofu). Asian Journal of Home Science, Vol.-13 No.-1
8. Sharma K.M. & Goyal M.C.(2018). KVK : knowledge and resource centre. Souvenir Agriculture University, Kota
9. Dhaka, B. L.; Vatta, L. and Chayal, K. (2018). Workplace Factors Affecting Training Transfer – A Meta Evaluation. Indian Res. J. Ext. Edu., 18 (2): 91-92.
10. Dhaka, B. L. and Bairwa, R. K. (2017). Impact of direct seeded rice technology on rice

- farmers' earnings: a case study. *Innovative Farming*, 2(4): 205-208.
11. Meena, G.S.; Dhaka, B.L.; Singh, B.; Meena, R. K. and Meena, K.C.. (2017). Effect of Azolla as Feed Supplements on Milk Yield in Buffaloes. *Int.J.Curr.Microbip. App.Sci.*, 6 (12) : 3490-3494.
 12. Bairwa, R.K.; Dhaka, B.L.; Meena, N.L.; Meena, G.S and Nagar, B.L. (2018). On farm assessments of foliar application of soluble NPK on yield and economics of wheat at farmers fields in humid south-eastern plain (v) of Rajasthan. *International Journal of Science, Environment and Technology*, 7 (3) 882 – 887.
 13. Mahajani, K. (2018). Standardization of Portion Size for Meat and Poultry Products. *Trends in biosciences*, 11.
 14. Dhaka, B. L.; Bairwa, R. K.; Meena, N. L. and Meena, G. S. (2018). Kurel Kisan Producer Company limited: A community based rural enterprise. *Krishi Vigyan Kendra, Bundi*
 15. N. L.(2018) किसानों का सारथी कृषि विज्ञान केन्द्र. सुनहरा राजस्थान, 9
 16. Meena, Kumar M., Aravindakshan K, Dhayal M., Singh J. and Meena S. L. (2018). Effect of biofertilizers and growth regulators on growth attributes of cauliflower (*Brassica oleracea* var. *Botrytis* L.) cv. Pusa Paushja, *Int. J. Current Microbiology and Applied Sciences*, 885-890.
 17. Ranawat, J. S., Panday, S. B. S., Singh, J. Nayak, D and Pushpanjali (2018). Doubling the farmer's income through intercropping turmeric (*Curcuma longa* L.) under mandrain based agroforestry system in South-Eastern Rajasthan. *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry*, 7(4): 2560-2563.
 18. Bhatnagar P and Singh J. (2018). Morphometric survey and evaluation of custard apple genotypes in South Eastern Rajasthan. *International journal of chemical studies*, 6(6): 1257-61
 19. Chhipa. H. and Deshmukh (2018). Fungal endophytes: Rising Tools in Sustainable agriculture production. *Endophytes and Secondary Metabolites*, Springer Publisher
 20. Chhipa. H. (2018). “Green Synthesis, characterization and Nano particle for Nano particle” Book My co Synthesis of Nano particle for smart Agriculture Practice: A green and Eco tiredly approach. Elsevier Publisher.
 21. Lekha., Swami H., Jat S. K. and Jeengar K. L. (2018). Bio efficacy of Dinotefuran (20% SG) against major sucking pests of Brinja. *Journal of Entomology and Zoological Studies*, 6(2): 1832-1837.

22. Lekha, Jat S. K., Swami H. and Mahla M. K. (2018). Bio efficacy of newer insecticide Tolfenpyrad (15% EC) against shoot and fruit borer of Brinjal. *Chemical Science Review and Letters*, 7(26), 625-630.
23. Lekha., Swami H. and Jat S. K. (2018). Bio efficacy of newer insecticide tolfenpyrad (15% EC) against major sucking pests of brinjal. *International Journal of Chemical Studies*, 6(3): 3508-351
24. Singh, K., Rawal, P., Singh, H., Jat, S. L., Meena, V. K. and Tanwar B. S. (2018). Survey, estimation of losses and symptomatology in major cabbage growing areas of Rajasthan by *Alternaria* leaf spot disease. *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry*, 7(5):2393-2395.
25. बाबू लाल यादव, हनुमान सिंह एवं जालम सिंह राठौड़ (2018). मूंग की वैज्ञानिक खेती. राजस्थान खेती प्रताप अंक 1, 8-9.
26. जालम सिंह राठौड़, हनुमान सिंह एवं बाबू लाल यादव (2018). भिंडी की खेती, कृषि भारती, अंक 10, 14-15
27. Kumar, M., Prahlad V. C., R. K. Kumar and Singh B., (2018). Natural regeneration status of Dhav (*Anogeissus pendula* Edgew.) Forests in Jhalawar forest division. *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry*. 7(2).585-588
28. Prahlad, V. C. (2018). Climate resilient agroforestry interventions to reduce the faming risks in Rajasthan. *International Journal of Science, Environment and Technology*. 7(4),1374-1386
29. Meena C., Bhatanagar P., Meena R. K., Prahlad V. C., and Kumar A., (2018). Report of black pod in tamarind due to *Asperigillus niger* from India. *International Journal of current Microbiology and Applied Sciences*. 7(4). 1127-1130.
30. Prahlad, V. C. (2018). Stand structure and growth pattern of Deodar (*Cedrus deodara* Roxb. Lond.) forests of Western Himalayas (India). *International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences*. 7(7). 1737-1745.
31. Meena, Moond B. S. K., Mishra A., Singh J. and Meena R. K. (2018). Effect of genotype and planting geometry on vegetative growth, flower yield and quality of gladiolus (*Gladiolus hybridus*). *Multilogic in Science*. 8:543-546
32. Byadwal, R. K., Mishra A., Palled A. and Bunkar J. (2018). Evaluation of different genotypes of gaillardia (*Gaillardia pulchella* Foug.) under Jhalawar condition. *J. Environ. Sci. Tech. and Food Tech*. 12(1):56-59
33. Byadwal, R. K., Mishra A., Singh J. and Kavita (2018). *Gaillardia ki Kheti: Rajasthan*

- ke kisano ke liye vardan. Maru Bagvani: 116-119
34. Kirti and Meena, L.K. (2018). "A study on aspiration profile of digital native. *Multilogic in Science*, VIII (D); 115-116
 35. Meena, L. K., Bairwa, S. L., Rehman, M and Kumari, M (2018). *Agricultural Economics NIPA*, New Delhi. ISBN 978-93-86546-54-8
 36. Bairwa, S.L., Sen., C., Meena, L.K., and Kumari, M (2018). *Agribusiness Management: Theory and Practices* Write and Print Publisher, New Delhi. ISBN 978-93-87214-05.
 37. Meena, L.K., M. Kumari., Dei, S., Rehman, M., and Bairwa, S.L. (2018). *Venture capital management: opportunity and challenges for the entrepreneurs*, Edited by Dei and Sinha "Women empowerment: a compressive development Approach. PP 245-260, ISBN 9788193421451.
 38. M. Kumari., Meena, L.K., Rehman, M., and Bairwa, S.L. (2018). *Women empowerment in Bihar: opportunity and challenges- a conceptual framework*. Edited by dei and Sinha "Women empowerment: A compressive development Approach. PP280-300, ISBN 9788193421451.
 39. Vikee. Jain, S.K., Sharma, S. and Kumari, N. (2018). *Studies on the physico- chemical changes in minimally processed Nagpur mandarin fruits during storage*, *Int.J.Curr.Microbiol.App.Sci.*, Issue- 7: 968-975.
 40. Meena. N.K., Baghel, M., Jain, S.K. and Ram Asrey (2018). *Postharvest Biology and Technology of Kiwifruit*. In: *Postharvest Biology and Technology of Temperate Fruits* (Eds. Mir, S.A., Shah, M.A. and Mir, M.M.) Springer International Publishing AG, Gewerbestrasse 11, 6330 Cham, Switzerland
 41. जैन, शशि कुमार (2018). चिरोंजी में तुड़ाई उपरांत प्रबंधन एवं मूल्य संवर्धन। चिरोंजी की खेती, प्रसाधन एवं प्रसंस्करण प्रबंधन विषय पर राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना द्वारा प्रायोजित कृषक, वन रक्षक एवं उद्यमी कार्यशाला मार्गदर्शिका में प्रकाशित।
 42. Yadav V.K., Jain M.C., Sharma M.K. and Mahaveer Suman, (2018). *Effect of Micronutrients Spray on Physical and Chemical Characteristics of Pomegranate (Pinica granatum L.) cv. Sindhuri*. *International Journal of Current Microbiology and Applied Science*, ISSN:2319-7706, Special Issue-7, pp. 998-1005, Journal homepage:<http://www.ijemas.com>.
 43. Meena,C.B., Maurya, I.B., Bhatnagar, P., and Kumar, A. (2018). *Black Root Rot is A Great Menace to Strawberry Cultivation*. *International Journal of Science, Environment and Technology*, Vol. 7, No 2, 517 – 520.
 44. Meena, C.B, P. Bhatnagar, R.R. Meena, V.C. Prahlad and Ashok Kumar. (2018). *First*

- Report of Black Pod in Tamarind due to *Aspergillusniger* from India. *Int.J.Curr.Microbiol.App.Sci.* 7(04): 1127-1130. doi: <https://doi.org/10.20546/ijcmas.2018.704.123>.
45. Meena,C.B., Meena, R.R. Meena, K.C. Meena, B.L.and. Meena, K.R. (2018). Doubling The Farmer Income Through Guava (*Psidiumguava*) Cultivation.*International Journal of Science, Environment and Technology*, Vol. 7, No 3, 905 – 909
 46. Ram, Baldev, Punia, S S, Tatarwal, J P, Meena, D S, Singh, Pratap and Chaudhary, H R. (2018). Effect of hydrogel and foliar nutrition sprays on productivity and profitability of lentil under rainfed situation of south eastern plain zone of Rajasthan. *International Journal of Advanced Scientific Research and Management* 1: 67-80.
 - 47- Ram, Baldev and Punia, S S. (2018). Effect of seed priming and foliar urea spray on yield and economics in lentil (*Lens culinaris*) under rainfed condition. *International Journal of Agricultural Sciences* 10 (8): 5801-5803.
 48. Ram, Baldev, Punia, S S and Katiyar, P. K. (2018). Effect of sulphhydryl bioregulator sprays on yield and economics in lentil (*Lens culinaris*) under vertisols. *Journal of Food Legumes* 31 (1): 24-27.
 49. Narolia, R S, Meena, Harphool, Ram, Baldev and Nagar, B. L. (2018). Performance Evaluation of Improved Water Management Technology of Rice at Farmers' Field in South-Eastern Rajasthan. *International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences* 7 (7): 2727-2734.
 50. Tatarwal, J.P., Ram, Baldev., Malav, Narottam., Jain, M.C., Singh, Pratap. (2018). Crop diversification options in compliance to integrated farming systems objectives for south-eastern ecologies of rajasthan. In proc. of XXI Biennial national symposium of Indian society of agronomy on “Doubling farmers' income through agronomic interventions under changing scenario” held at MPUA&T, Udaipur pp 311-312.
 51. Ram, Baldev., Tatarwal, J.P., Singh, Pratap. (2018). Productivity and profitability of fieldpea (*Pisum sativum* var. *arvese*) as influenced by water soluble fertilizers and nutrient management practices. In proc. of XXI Biennial national symposium of Indian society of agronomy on “Doubling farmers' income through agronomic interventions under changing scenario” held at MPUA&T, Udaipur pp 135-136.
 52. Jain R.K., Joshi Arunabh, Chaudhary H.R., Dashora A. and Khatik C.L.(2018). Study on Genetic variability, heritability & genetic advance in Soybean [*Glycine max* (L.) Merrill] *Legume Research* 14 (4), 532-536.

53. Koli N.R., Patidar B.K., Kumar Manoj and Sandhya (2018). Biparental Mating: A system and Intermating for Creating Genetic variability in segregating generation for crop improvement. *International Journal of Current Microbiology and Applied sciences* 7(8),1-6.
54. Koli N.R. and Patidar B.K. (2018). Effectiveness of selection response on F3 and F4 Generation for grain yield and yield attributing traits in aeromatic rice. *Electronic Journal of Plant Breeding*. 9(1):368-371.
55. Patidar B. K., Koli N.R. And Meena C.B. (2018). “Bio-Efficacy and Economics of Effective dose of Combination and dose of nsecticides against insect-pests of Rice. *International Journal of Current microbiology & Applied Sciences*. 7(8):192-198.
56. Meena D. S. and Jadon Chaman, Meena C.B., Meena B.S., Meena B.L. and Patidar B.K. (2018). Impact Assessment of Improved Technology on soybean Productivity in South Eastern Rajasthan, India. *International Journal of Current Microbiology & Applied Sciences*. 7(7): 728-732.
57. Meena D.S., Meena B.L., Patidar B.K. and Jadon Chaman (2018). Bioefficacy of pendimethalin 30% EC + imazethapyr 2% SL premix against weeds of soybean. *International Journal of Science, Environment and Technology*. Vol. 7(4):1236-1241.
58. Narolia R.S., Meena Harphool, Ram Baldev and Nagar B.L.(2018). Performance Evaluation of Improved Water Management Technology of Rice at Farmers' Field in South-Eastern Rajasthan. *Internation Journal of Current Microbiology and Applied Sciences* ISSN:2319-7706 Vol. 7
59. Bairwa R.K., Dhaka B.L., Meena N.L., Meena G.S. and Nagar B.L. (2018). On Farm Assessments of Foliar Application of Soluble NPK on Yield and Economics of Wheat at Farmers Field in Humid South-Eastern Plain (V) of Rajasthan. *International Journal of Sciences, Environment and Technology*, Vol. 7 No. 3, 882-887.
60. Bhatnagar P., Singh J, Meena C.B. and Sharma M.K. (2018). Crop Improvement Studies on Custard Apple cultivars. *Journal-Hort Flora Research Spectrum* Vol. 7 Issue 2:133-136
61. Poonia Kapil Dev, Bhatnagar P., Sharma M.K. and Singh J., Efficacy of biofertilizers on growth and development of mango plants cv. Dashehari.
62. Meena S.N., Singh Prtap, Jat M.L. Meena A.K. and Meena B.S. (2018). Yield maximization in Pigeon pea through various crop management practices in Humid South Eastern Plain Zone of Rajasthan. In proc. of XXI Biennial national symposium of Indian society of agronomy on “Doubling farmers' income through agronomic

interventions under changing scenario” held at MPUA&T, Udaipur .

63. Yadav S.L., Verma Arvind, Nepalia V., Singh Khajan, Jain M.C., Singh Pratap and Meena R.K. (2018). Enhancing Chickpea (*Cicer aritinum* L) Productivity by phosphorus sulphur and Seaweeds sap application. In proc. of XXI Biennial national symposium of Indian society of agronomy on “Doubling farmers' income through agronomic interventions under changing scenario” held at MPUA&T, Udaipur.
64. Singh Pratap, Mathur I.N., Narolia R.S., Meena H.P., Ram Baldev and Jadon Chaman (2018). Per Drop Crop Enhancing Water Use Efficiency in South Eastern Rajasthan.
65. Singh Pratap, Jadon Chaman, Ram Baldev and Yadav D.L.(2018). Prospects of Doubling the Farmers Income in Hadoti Region.
66. Jain M.C. and Sharma S.C. (2018). Globalisation of Agricultural Education: Role and Responsibilities of Indian Agricultural Universities, Souvenir, Agriculture University, Kota.
67. Sharma S.C. and Meena P.K.P. (2018). Wild Accessories: Important Assets in Pigeonpea Important, Souvenir, Agriculture University, Kota.
68. Sharma S.C. and Jain M.C. (2018). Importance of Quality Seed Production Agriculture, Souvenir, Agriculture University, Kota.
69. Meena, C.B., Meena, B.L. and Meena, R.R.(2018). Amrood me Jad Gaath Sutra karmi va sukha rog prabhandhan, Rajasthan Kheti Pratap, Year 14 Volum pp16-17.
70. Meena, C.B., Meena, R.R. and Sharma, M.K. (2018). Anar Me samnvit Rog va keet Prabandhan, Rajasthan Kheti Pratap, Year 14 Volum 10 pp14-17.
71. Meena, C.B., Meena, K.C. and, B.L Meena (2018). Safalta ki Kahani Amrood Ke Bagiche Se Aay Doguni, Rajasthan Kheti Pratap, Year 14 Volum8 pp29.
72. Jat M.L., Meena S. N., Dhayal B.C. and Meena A.K. (2018). Organic Agriculture: Research Trends in Agriculture Science, Akinik Publications, New Delhi, IBSN No.:978-93-88112-14-7, Vol.-6 PP39-69.

16. सेमीनार, कांफ्रेंस, वर्क शॉप, मीटिंग, विन्टर व समर स्कूल का विस्तृत विवरण-

S. No	Name of scientist	Subject	Date	Place
1.	Dr. Arjun Kumar Verma	Workshop on 15 th establishment day of Kisan Call Centre	21/01/2018	SIAM, Durgapura, Jaipur
2.	Dr. Arjun Kumar Verma	Pest surveillance and advisory meeting	22./01/2018	GB Pant Krishi Bhawan, Jaipur
3.	Dr. Ram Raj Meena	Akhil Bharitya Jaivik Krishi Mahakumbha	8-9/02/2018	Jaipur
4.	Dr. Arjun Kumar Verma	PNB RSETI	13/03/18	Mini Secretariat, Jhalawar
5.	Dr. Arjun Kumar Verma	10 th National workshop of KVKs	16-17/03/18	Mela Ground, IARI, New Delhi
6.	Dr. Arjun Kumar Verma	Group meeting of CFLDs and progress of pulse seed hub under NFSM	22/03/18	ATARI, Jodhpur
7.	Dr. Ram Raj Meena	Buyer and seller one day meet on spices To increase export potential of spices	26/04/18	Bhamashahmandi, Kota
8.	Dr. Arjun Kumar Verma and Mr. Arvind Nagar	Introducing of Sikkim and other varieties of mandarin for mother orchards by COE, Jhalawar	05/06/18	CH&F, Jhalawar
9.	Dr. Arjun Kumar Verma	Zonal Workshop of KVKs	10-12/06/18	SKRAU, Bikaner
10.	Dr. Arjun Kumar Verma	ATMA GB meeting	27/06/18	Mini Secreteriat, Jhalawar
11.	Dr. Harish Verma	Annuul progress review and planning meeting on Tribal Sub Plan of KVKs	07/07/18	ATARI, Jodhpur
12.	Dr. Mohmmad Yunus	Training for Master Trainer TCS - KVK Sandesh programme Specialization in extension service	17/07/18	ATARI, Jodhpur
13.	Dr. Sewa Ram Rundala	Pulses Production Technology Meeting	26-27/07/18	ATARI, Jodhpur
14.	Dr. Harish Verma	Training of Trainers under skill development programme of ASCI sponsored by ATARI, Jodhpur For trainer in Bee Keeper	20-22/09/18	SKRAU, Bikaner
15.	Mr. Arvind Nagar	Training of Trainers under skill development programme of ASCI sponsored by ATARI, Jodhpur For trainer in Nursery worker	20-22/09/18	SKRAU, Bikaner
16.	Dr. Arjun Kumar Verma	Dynamics for Nutrition farming	21/09/18	CHF, Jhalawar




17.	Dr. Mohmmad Yunus	ICAR sponsored Winter School on "Extension and Communication Approaches For Sustainable Agriculture"	19/09/18-09/10/18	Department of Agricultural Extension and Communication, RVSKVV- College of Agriculture Gwalior
18.	Dr. Sewa Ram Rundala	Regional Workshop on "Training Need Assessment" for Western Zone States to Finalize / Prepare Academic Calendar (Training Programmes) for the year 2019-20	10/10/18	Extension Education Institute, Anand Agricultural University Campus, Anand (Gujarat).
19.	Dr. Sewa Ram Rundala	Orientation Training Programme for Strategies to improve the Performance of officers involved in Soil Health Card Scheme	22-26/10/18	National Institute of Agriculture Extension Management (MANAGE), Rajendra Nagar, Hyderabad (Telangana)
20.	Dr. Ramkesh meena	State Level conference on Kissan call centers	21/01/18	SIAM, Jaipur
21.	Dr. Ramkesh meena	Monthly Advisory Review workshop	22/01/18	Pant Krishi Bhawan, Jaipur
22.	Dr. Bachchu Singh	Biennial National Conference of KVK's	16-17/03/18	IARI, New Delhi
23.	Dr. S. L. Kaswan	Agro-met Training	11-12/09/18	MPUAT, Udaipur
24.	Sh Roop Singh	Winter School "on Solar Photovoltaic and thermal applications for energy -water-food security in agriculture."	19/09/18 – 09/10/18	Division of Agriculture Engineering and Renewable Energy, ICAR-CAZRI, Jodhpur
25.	Dr. Bacchu Singh meena	Training of trainers under skill development programme of ASCI	20-22/09/18	SKRAU, Bikaner
26.	Dr. Suresh Bairwa	Training of trainers under skill development programme of ASCI	20-22/09/18	SKRAU, Bikaner
27.	Miss. Priyanshu Tripathi	Winter School on "Recent Engineering Interactions in Food and By -Product processing for sustainable Growth and Profitability"	05-25/10/2018	ICAR-Central Institute of Post-Harvest Engineering and Technolgr, Ludhiana
28.	Dr. Baldev Ram, Dr. P K P Meena	22 nd Annual Group Meet on Kharif Pulses AICRP on MULLaRP & Arid Legumes	28-30/04/2018	SDAU, S. K. Nagar (Gujarat)



29.	Dr. Baldev Ram, Dr. P K P Meena	Annual Group Meet on AICRP on MULLaRP on Pigeonpea	19- 21/05/2018	PJTSAU, Hyderabad (Telangana)
30.	Dr. Baldev Ram Er. I. N. Mathur	Biennial Scientists Meet of AICRP on IWM	13- 15/06/2018	BSKKV, Dapoli (Maharashtra)
31.	Dr. Baldev Ram	XXI Biennial National Symposium on “Doubling Farmers’ Income Through Agronomic Interventions Under Changing Scenario”	24- 26/10/2018	Rajasthan College of Agriculture (MPUA&T), Udaipur
32.	Sh. S.N. Meena	XXI Biennial National Symposium on “Doubling Farmers’ Income Through Agronomic Interventions Under Changing Scenario”	24- 26/10/2018	Rajasthan College of Agriculture (MPUA&T), Udaipur
33.	Dr. S.L. Yadav	XXI Biennial National Symposium on “Doubling Farmers’ Income Through Agronomic Interventions Under Changing Scenario”	24- 26/10/2018	Rajasthan College of Agriculture (MPUA&T), Udaipur
34.	Dr. P.K.P. Meena	Annual Group Meet	28-30/04 /2018	SK Nagar (Gujrat)
35.	Dr. P.K.P. Meena	Annual Group Meet	19- 21/05/2018	PJTSAU, Hyderabad (Telangana)
36.	Dr. P.K.P. Meena	Annual Group Meet	04- 06/08/2018	BHU, Varanasi (UP)
37.	Dr. J.P. Tetarwal	“Science of Farming Systems: Moving from Prototyping to Model Based Assessment and Designing of Sustainable and Resilient Farming Systems in South Asia”	19- 23/03/2018	Udaipur, Rajasthan
38.	Dr. J.P. Tetarwal	“GHG emission/Carbon Sequestration estimation using B version of excel tool” for on-station and on-farm centres of AICRP on integrated farming systems	26- 28/06/2018	Modipuram, Meerut (UP).
39.	Dr. J.P. Tetarwal	“4R nutrient management strategy”	29/06/2018	Modipuram, Meerut (UP).
40.	Dr. J.P. Tetarwal	National Symposium on “Doubling farmers income through agronomic interventions under changing scenario”	24- 26/10/2018	RCA, MPUAT, Udaipur (Rajasthan).
41.	Dr. I.B. Mourya	Workshop of nodel officers	3-5/05/2018	Central Iceland Agricultural Research Institute, Portblair
42.	Dr. Aanchal Sharma	Molicuelar biotechnology & bioinformetics	10- 14/09/2018	I.C.S.C.C.B, Pune
43.	Dr. Nirmal Meena	National meet on production & economic empowerment through dried fruits	27- 29/10/2018	C.I.A.H, Bikaner

44.	Dr. Ladhu Ram	National meet on production & economic empowerment through dried fruits	27-29/10/2018	C.I.A.H, Bikaner
45.	Dr. Jitendra	Workshop & experencial learning	25/05/2018	Y.S.P University of Horticulture & Forestry, Solan (H.P.)

17. सफलता की कहानियाँ :

शीर्षक	दुगुनी आय हेतु : सोयाबीन प्रसंस्करण		
परिचय	किसान का नाम : श्री विक्रम सिंह हाड़ा आयु : 38 वर्ष मोबाईल न. : 9636375029 भूमि : 4.5 बीघा पता : प्रेमनगर, कोटा शिक्षा : 10वीं पास		
योजना	श्री विक्रम सिंह हाड़ा सोयाबीन उत्पादक किसान है। सोयाबीन से दुगुनी आय के लिए उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा से एक माह (13.02. 2015 से 23.03.2015) का खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर कौशल विकास प्रशिक्षण लेकर केन्द्र के मार्ग दर्शन में सोया पनीर संयंत्र की स्थापना कर FSSAI एवं SHOP ACT के तहत रजिस्ट्रेशन करवाया। श्री हाड़ा प्रतिदिन करीब 100 कि.ग्रा. सोयाबीन प्रसंस्करित कर इससे बने 120-130 कि .ग्रा. सोया पनीर की बिक्री भव्या सोया पनीर ब्राण्ड के नाम से करते है।		
आर्थिक विवेचना	स्थापना खर्च : ₹ 10.00 लाख वार्षिक पनीर उत्पादन : ₹ 430 क्विंटल पनीर विक्रय दर : ₹ 70 प्रति कि.ग्रा. वार्षिक आय : ₹ 30.00 लाख वार्षिक व्यय : ₹ 18.00 लाख वार्षिक शुद्ध लाभ : ₹ 12.00 लाख		

क्षमता, स्वीकार्यता, क्षैतिज प्रसार : केन्द्र से प्रशिक्षण और श्री हाड़ा से प्रेरणा लेकर जिले के एक दर्जन युवाओं ने सोया पनीर संयंत्र लगाकर 5.00-10.00 लाख रूपये की वार्षिक आय प्राप्त कर रहे हैं। जिसमें प्रमुख इस प्रकार है-

क्र.सं.	सोया पनीर उद्यमी	फर्म	पता	फोन नं.
1.	श्रीमती अनुराधा मीणा	कामधेनू सोया पनीर	कन्हाड़ी, कोटा	9413944884
2.	श्री गौरव खण्डेलवाल	रीवा एग्री फूड्स	रंगबाड़ी, कोटा	9261199000
3.	श्री रामगोपाल कुशवाह	पूजा सोया प्रोडक्ट्स	बोरखेड़ा, कोटा	9413669767
4.	श्री अमरीश चौधरी	चम्बल फ्रेस सोया प्रोडक्ट्स	स्वामी विवेकानन्द नगर, इन्द्रप्रस्थ, कोटा	9555593796
5.	श्री अमनदीप सिंह चहल	सनराइज सोया प्रोडक्ट्स	छावनी, कोटा	9929019259
6.	श्री मनीष गोस्वामी	गेसिया सोया पनीर	बून्दी रोड़, कोटा	9799707048
7.	श्रीमती सर्वेस प्रजापति	सिरसाई सोया प्रोडक्ट्स	उरई झालोन, यूपी	895322813
8.	श्री जीतेन्द्र हिरवानी	श्रेहान्स उद्योग (टूफू)	चिड़ावा, झुंझुनू	7877569242
9.	श्री आशाराम गूजर	श्रीकृष्णा सोया पनीर	हिंगोटिया, सवाई माधोपुर	9414916635
10.	श्रीमती सुमन शर्मा	ऋषि फूड प्रोडक्ट्स	नयापुरा, कोटा	9460853746

पुरस्कार/सम्मान : कृषि विश्वविद्यालय, कोटा एवं विभिन्न संस्थाओं द्वारा पुरस्कार



दुगुनी आय हेतु : मधुमक्खी पालन

विषयगत क्षेत्र : मधुमक्खी पालन

कृषक प्रोफाईल

नाम : श्री नरेन्द्र मालव
पता : हरिपुरा डंगावद, कोटा
शिक्षा : 10वीं पास
मोबाईल नं. : 9414983796

सफलता की कहानी का विवरण :

श्री नरेन्द्र मालव ने कृषि विज्ञान केन्द्र से प्रशिक्षण लेकर 25 मधुमक्खी कॉलोनियों से मधुमक्खी पालन की शुरुआत की। वर्तमान में श्री मालव के पास 400 से अधिक कॉलोनियां हैं तथा जिले में दूसरे कृषकों के लिए मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में प्रेरणा स्रोत के रूप में कार्य कर रहे हैं।

आर्थिकी :



स्थापना खर्च (400 कॉलोनी)	:	₹ 15.00 लाख
वार्षिक आय	:	₹ 15.00 लाख
वार्षिक व्यय	:	₹ 6.00 लाख
वार्षिक शुद्ध लाभ	:	₹ 9.00 लाख
लागत लाभ अनुपात	:	2.5
वार्षिक शहद उत्पादन	:	120 क्विंटल
वार्षिक मोम उत्पादन	:	240 कि.ग्रा.
वार्षिक अतिरिक्त कॉलोनी	:	100
शहद विक्रय दर	:	₹ 100 प्रति कि.ग्रा.
मोम विक्रय दर	:	₹ 200 प्रति कि.ग्रा.
कॉलोनी विक्रय दर	:	₹ 3000 प्रति कॉलोनी

क्षमता, स्वीकार्यता, क्षैतिज प्रसार : केन्द्र से प्रशिक्षण और श्री मालव से प्रेरणा लेकर जिले के सैंकड़ों युवाओं ने मधुमक्खी पालन को रोजगार के रूप में अपनाया। कोटा जिले में प्रतिवर्ष करीब 500 युवाओं द्वारा ₹ 10 करोड के शहद की बिक्री की जाती है। प्रमुख मधुमक्खी पालक इस प्रकार हैं।

क्र.सं.	मधुमक्खी पालन उद्यमी	पता	फोन नं.
1.	श्री रामसिंह	कोटडा दीपसिंह, सांगोद, कोटा	9950125713
2.	श्री रामेश्वर	लटूरी, बपावर, कोटा	9929592852
3.	श्री लोकेश	बम्बोलिया, सांगोद, कोटा	9799547591
4.	श्री किशन मीणा	अयानी, दीगोद, कोटा	7073027399
5.	श्री रामरतन	मदनपुरा, सांगोद, कोटा	9571268270
6.	श्री फूलचन्द	सुकेत, रामगंजमण्डी, कोटा	9928241992
7.	श्री परमेन्द्र शर्मा	सांगोद, कोटा	9829594751
8.	श्री किशन कुमार	सुकेत, रामगंजमण्डी, कोटा	9887620487
9.	श्री जितेन्द्र मालव	किशनपुरा तकिया, लाडपुरा, कोटा	9001203365
10.	श्री महेन्द्र कुमार मालव	डंगावत, हरिपुरा मांझी, कोटा	9649005599

पुरस्कार/सम्मान : राज्यस्तरीय कृषक सम्मान, कृषि विभाग राजस्थान।

महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा कृषक सम्मान।

नवोन्मेषी कृषक सम्मान, आई.सी.ए.आर.- अटारी, जोधपुर

नवोन्मेषी कृषक सम्मान, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा



दुगुनी आय हेतु : डेयरी फार्मिंग

विषयगत क्षेत्र : डेयरी प्रबंधन

कृषक प्रोफाइल :

नाम : श्री जिनेन्द्र चौधरी
पता : रायपुरा, कोटा
शिक्षा : बी.ए, एल.एल.बी.
मोबाईल नं. : 9460981189



सफलता की कहानी का विवरण :

श्री जिनेन्द्र चौधरी मूलतः बारां जिले के रामपुरिया गांव के रहने वाले हैं। खेती इनका पैतृक व्यवसाय है। श्री चौधरी ने अपनी आय में बढ़ोतरी एवं बच्चों की शिक्षा के लिए 2 एकड़ का फार्म कोटा के रायपुरा में लीज पर लिया तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा के मार्गदर्शन में 4 संकर गायों से डेयरी शुरू की। दूध की मांग को देखते हुए उन्होंने 6 संकर गायों की और खरीद की तथा प्रतिवर्ष 20000 लीटर दूध की बिक्री 30 रूपये प्रति लीटर की दर से वर्ष 2014-15 में की।

चौधरी ने देखा कि बाजार में देशी गायों के दूध की मांग एवं भाव अच्छा है। इसलिए उन्होंने 2015-16 में 10 गिर गायों की और खरीद की तथा जून, 2018 तक 20 गिर गायें हो गईं। इनका दूध 60 रूपये प्रति लीटर की दर से विक्रय कर रहे हैं। धीरे-धीरे संकर गायें कम करते जा रहे हैं और देशी गायों की संख्या बढ़ाते जा रहे हैं।

आर्थिकी (20 गिर गाय) :

स्थापना खर्च	:	₹ 15.00 लाख
प्रतिवर्ष दूध उत्पादन	:	36,000 लीटर
दूध उत्पादन प्रति ब्यांत	:	1800 लीटर/गाय
दूध विक्रय दर	:	₹ 60 प्रति लीटर
वार्षिक आय	:	₹ 21.60 लाख
वार्षिक व्यय	:	₹ 12.00 लाख
वार्षिक शुद्ध लाभ	:	₹ 9.60 लाख

क्षमता, स्वीकार्यता, क्षैतिज प्रसार : केन्द्र से प्रशिक्षण और श्री चौधरी से प्रेरणा लेकर जिले के दर्जनों युवाओं ने डेयरी फार्मिंग को उद्यम के रूप में अपनाकर 2.0-3.0 लाख रूपये की वार्षिक शुद्ध आय प्राप्त कर रहे हैं, जिसमें से प्रमुख डेयरी उद्यमी इस प्रकार है।

क्र.सं.	डेयरी उद्यमी	पता	फोन नं.
1.	श्री महेश कछावा	देवली मांडी, कोटा	9001276549
2.	श्री दिनेश पाठक	रंगपुर, कोटा	9001017930
3.	श्री आशीष यादव	मानपुरा, कोटा	9928072345
4.	श्री शिवजीत शर्मा	जगपुरा, कोटा	9414937031
5.	श्री चमन मोदी	गोविन्द नगर, कोटा	9468900000

पुरस्कार/सम्मान : कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा डेयरी उद्यमी पुरस्कार



परिशिष्ट - I

प्रबंध मंडलके सदस्य

क्र. स.	सदस्य नाम	मनोनयन	अवधि
1.	डॉ जी. एल. केशवा, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा।	पदेन अध्यक्ष	-
2.	अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, राजस्थान सरकार, जयपुर	पदेन सदस्य	-
3.	अतिरिक्त मुख्य सचिव, कृषि, राजस्थान सरकार, जयपुर	पदेन सदस्य	-
4.	अतिरिक्त मुख्य सचिव, वित्त, राजस्थान सरकार, जयपुर,	पदेन सदस्य	-
5.	प्रमुख सचिव पशुपालन, राजस्थान सरकार, जयपुर	पदेन सदस्य	-
6.	श्री हीरा लाल नागर, माननीय विधायक, सांगोद	विधानसभा अध्यक्ष द्वारा मनोनीत सदस्य	दिनांक 22.08.2017 से 12.12.2018 तक
7.	डॉ. एन. एल. गुप्ता, प्रख्यात शिक्षा विद्	राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य	दिनांक 19.05.2017 से दो वर्ष के लिये
8.	डॉ. मदन सिंह राठौड, प्रख्यात शिक्षा विद्	राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य	दिनांक 19.05.2017 से दो वर्ष के लिये
9.	डॉ. के. के. सिंह, सहायक महानिदेशक (फार्म इंजिनियरिंग)	भा.कृ.अनु.परि., नई दिल्ली द्वारा मनोनीत सदस्य	दिनांक 13.04.2017 से तीन वर्ष के लिये
10.	डॉ. आई. बी. मोर्या, अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	कुलपति द्वारा मनोनीत सदस्य	10.04.2018 से दो वर्ष के लिए
11.	डॉ. के. एन. ओझा, निदेशक मानव संसाधन विकास, कृ.वि., कोटा	कुलपति द्वारा मनोनीत सदस्य	10.04.2018 से दो वर्ष के लिए
12.	डॉ. एस. के. जैन, प्रोफेसर (पी.एच टी.), उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	कुलपति द्वारा मनोनीत सदस्य	03.09.2016 से दो वर्ष के लिए
13.	प्रगतिशील किसान	मनोनीत नहीं हुए	-
14.	विशिष्टता प्राप्त कृषि उद्योगपति	मनोनीत नहीं हुए	-
15.	उत्कृष्ट महिला समाज सेवी	मनोनीत नहीं हुए	-
16.	श्री राम दयाल मीणा, कुलसचिव	पदेन सचिव	

परिशिष्ट - II

अकादमिक परिषद के सदस्य

क्र. सं.	सदस्य नाम	
1.	डॉ जी. एल. केशवा, कुलपति	पदेन अध्यक्ष
2.	डॉ प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान	पदेन सदस्य
3.	डॉ के.एम. गौतम, निदेशक प्रसार शिक्षा	पदेन सदस्य
4.	डॉ (श्रीमती) ममता तिवारी, निदेशक प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन	पदेन सदस्य
5.	डॉ के.एन. ओझा, निदेशक मानव संसाधन विकास	पदेन सदस्य
6.	डॉ एम.सी. जैन, निदेशक छात्र कल्याण एवं अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा	पदेन सदस्य
7.	डॉ आई.बी.मोर्या, अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	पदेन सदस्य
8.	डॉ. ओ.पी.वर्मा, मनोनीत कृषि शिक्षाविद्	सदस्य
9.	डॉ. विरेन्द्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक	पदेन सदस्य
10.	डॉ एस.के. जैन, विभागाध्यक्ष	सदस्य
11.	डॉ जितेन्द्र सिंह, विभागाध्यक्ष	सदस्य
12.	डॉ आशुतोष मिश्रा, विभागाध्यक्ष	सदस्य
13.	डॉ. चन्द्रप्रकाश, विभागाध्यक्ष	सदस्य
14.	डॉ. एच आर चौधरी, प्रोफेसर	सदस्य
15.	डॉ. पी.एम.चौहान, एसोसिएट प्रोफेसर	सदस्य
16.	डॉ एस बी एस पाण्डे, एसोसिएट प्रोफेसर	सदस्य
17.	डॉ. महेन्द्र सिंह, मनोनीत आचार्य	सदस्य
18.	श्री रामदयाल मीणा, कुलसचिव	सदस्य
19.	डॉ जे. एम धाकड़, निदेशक शिक्षा	सचिव

परिशिष्ट - III

वरिष्ठ अधिकारी परिषद के सदस्य

क्र.सं.	नाम एवं पद	
1.	प्रो. जी. एल. केशवा, कुलपति	अध्यक्ष
2.	डॉ. के.एम. गौतम, निदेशक प्रसार शिक्षा	सदस्य
3.	डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान	सदस्य
4.	डॉ. के. एन. ओझा, निदेशक मानव संसाधन	सदस्य
5.	प्रो. आई. बी. मौर्य, अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	सदस्य
6.	डॉ एम.सी. जैन, निदेशक छात्र कल्याण एवं अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा	सदस्य
7.	श्री रामदयाल मीणा, कुलसचिव	सदस्य
8.	डॉ. विधि शर्मा, वित्त नियंत्रक	सदस्य
9.	डॉ. विरेन्द्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक	सदस्य
10.	इंजी., वी. के. जैन, संपदा अधिकारी	सदस्य
11.	डॉ. एम.सी.जैन, क्षेत्रीय निदेशक	सदस्य
12.	डॉ. ममता तिवारी, निदेशक पी.एम. एण्ड ई.	सचिव

परिशिष्ट - V

अनुसंधान परिषद के सदस्य

क्र.सं.	नाम एवं पद	
1.	प्रो. जी. एल. केशवा, कुलपति	अध्यक्ष
2.	निदेशक कृषि, पंत कृषि भवन, जयपुर	सदस्य
3.	निदेशक उद्यानिकी, पंत कृषि भवन, जयपुर	सदस्य
4.	मुख्य वन संरक्षक, जयपुर	सदस्य
	विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक	
5.	डॉ. के.एम. गौतम, निदेशक प्रसार शिक्षा	सदस्य
6.	डॉ. ममता तिवारी, निदेशक पी.एम. एण्ड ई.	सदस्य
7.	डॉ. के. एन. ओझा, निदेशक मानव संसाधन	सदस्य
8.	डॉ. जे. एम. धाकड़, निदेशक शिक्षा	सदस्य
9.	डॉ. एम. सी. जैन, निदेशक छात्र कल्याण	सदस्य
	संकायों के समस्त संकायाध्यक्ष	
10.	डॉ. आई. बी. मौर्य, अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	सदस्य
11.	डॉ. एम. सी. जैन अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा	सदस्य
	क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान व प्रसार	
12.	डॉ. एम. सी. जैन, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा	सदस्य
13.	डॉ. जे.एम. धाकड़, अतिरिक्त निदेशक बीज व प्रोफेसर पादप प्रजनक एवं आनुवांशिकी	सदस्य
	विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष	
14.	डॉ. एस. बी. एस. पाण्डे, विभागाध्यक्ष	सदस्य
15.	डॉ. चन्द्रप्रकाश, विभागाध्यक्ष	सदस्य
16.	डॉ. जितेन्द्र सिंह, विभागाध्यक्ष	सदस्य
17.	डॉ. एस.के. जैन, विभागाध्यक्ष	सदस्य
18.	डॉ. आशुतोष मिश्रा, विभागाध्यक्ष	सदस्य
19.	डॉ. जीतमल धाकड़, विभागाध्यक्ष	सदस्य
20.	डॉ. पी.एस.चौहान, विभागाध्यक्ष	सदस्य
	प्रख्यात वैज्ञानिक आमंत्रित	
21.	डॉ. बी.आर.छीपा, कुलपति, एस.के.आर.ए.यू, बीकानेर	आमंत्रित सदस्य
22.	डॉ. आर.के. सिंह, हैड आईसीएआर-सीएसडब्ल्यूसीआरटीआई, आईसीएआर डडवाड़ा, कोटा	आमंत्रित सदस्य
23.	डॉ. एस.आर.मालू, पूर्व अनुसंधान निदेशक, एम.पी.यू.ए.टी., उदयपुर	आमंत्रित सदस्य
24.	डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान	सचिव

प्रसार शिक्षा परिषद के सदस्य

क्र.सं.	नाम एवं पद	
1.	प्रो. जी. एल. केशवा, कुलपति	अध्यक्ष
2.	प्रभारी सचिव कृषि, (राजस्थान)	सदस्य
3.	निदेशक कृषि, पंत कृषि भवन, जयपुर	सदस्य
4.	निदेशक बागवानी, पंत कृषि भवन, जयपुर	सदस्य
5.	मुख्य वन संरक्षक, जयपुर (राजस्थान)	सदस्य
विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक		
6.	डॉ. प्रताप सिंह धाकड़, निदेशक अनुसंधान	सदस्य
7.	डॉ. ममता तिवारी, निदेशक पी.एम. एण्ड ई.	सदस्य
8.	डॉ. के. एन. ओझा, निदेशक मानव संसाधन	सदस्य
9.	डॉ. जे. एम. धाकड़, निदेशक शिक्षा	सदस्य
10.	डॉ. एम. सी. जैन, निदेशक छात्र कल्याण	सदस्य
संकायों के समस्त संकायाध्यक्ष		
11.	डॉ. आई. बी. मौर्य, अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	सदस्य
12.	डॉ. एम. सी. जैन अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा	सदस्य
विश्वविद्यालय विभागाध्यक्ष/क्षेत्रीय निदेशक/वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष		
13.	डॉ. एस. बी. एस. पाण्डे, विभागाध्यक्ष	सदस्य
14.	डॉ. चन्द्रप्रकाश, विभागाध्यक्ष	सदस्य
15.	डॉ. जितेन्द्र सिंह, विभागाध्यक्ष	सदस्य
16.	डॉ. एस.के. जैन, विभागाध्यक्ष	सदस्य
17.	डॉ. आशुतोष मिश्रा, विभागाध्यक्ष	सदस्य
18.	डॉ. जीतमल धाकड़, विभागाध्यक्ष	सदस्य
19.	डॉ. पी.एस. चौहान, विभागाध्यक्ष	सदस्य
20.	डॉ. एम. सी. जैन, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज	सदस्य
21.	डॉ. जे.एम. धाकड़, अतिरिक्त निदेशक बीज व प्रोफेसर पादप प्रजनक एवं आनुवांशिकी	सदस्य
22.	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र अन्ता (बारां)	सदस्य
23.	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा	सदस्य
24.	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र बून्दी	सदस्य
25.	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र झालावाड़	सदस्य
26.	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र सवाई माधोपुर	सदस्य
27.	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र हिण्डोल (करौली)	सदस्य
विश्वविद्यालय के बाहर से प्रसार शिक्षा के प्रख्यात वैज्ञानिक		
28.	प्रोफेसर पी.एस. राठौड़, माननीय कुलपति श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	सदस्य
29.	प्रोफेसर हनुमान प्रसाद, पूर्व निदेशक, प्रसार शिक्षा, एस.के.आर.ए.यू., बीकानेर	सदस्य
3 प्रगतिशील किसान		
30.	श्री हुकुमचन्द पाटीदार, झालावाड़	सदस्य
31.	श्री नरेन्द्र कुमार मालव, गांव-हरिपुरा डंगावत, कोटा	सदस्य
32.	श्री गणपत लाल नागर, गांव-गुलाबपुरा, बारां	सदस्य
विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि		
33.	ग्रामीण विकास विभाग, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, कोटा	सदस्य
34.	सहकारी विभाग, महाप्रबंधक, तिलम संघ, रावतभाटा रोड, कोटा	सदस्य
35.	सिंचाई विभाग, सहायक अभियंता, सिंचाई, सी.ए.डी., कोटा	सदस्य
36.	उर्वरक निगम, मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक, इफको, सरस्वती कउँलोनी बारां रोड, कोटा	सदस्य
37.	राष्ट्रीय बीज निगम प्रबंधक, एनएससी कोटा, ई-134, इन्द्रप्रस्थ इंडस्ट्रियल एरिया, रोड नं 5, झालावाड़ रोड, कोटा	सदस्य
38.	डॉ. के.एम. गौतम, निदेशक प्रसार शिक्षा	सचिव





कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

बारौं रोड, बोरखेड़ा, कोटा- 324001 (राजस्थान)

Ph. : 0744-2321204 | Fax : 0744-2321203

E-mail : aukota2013@gmail.com | website : <http://aukota.org>